हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-265, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, सोमवार 10 मार्च 2025

श्रीनिवासन तिवारी धर्मार्थ न्याय स्थापना दिवस का कार्यक्रम...02

पुरानी पेंशन के विकल्प पत्रों को शासन तक पहुंचाने के लिए...06

शेयर बाजार में इस हफ्ते उतार-चढ़ाव का अनुमान

पीपीएफ में टैक्स छूट के साथ ज्यादा ब्याज

शिव नाडर ने एचसीएल-कॉर्प की 47% हिस्सेदारी बेटी को दी

संक्षिप्त समाचार

होली में 60 हजार करोड़ का होगा कारोबार: कैट

नई दिल्ली, एजेंसी। खुदरा कारोबारियों का संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने आज कहा कि इस वर्ष की होली में देश में 60 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने रविवार को बताया कि इस साल होली के मौके पर देशभर में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार होने की संभावना है, जो पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष यही कारोबार लगभग 50 हज़ार करोड़ रुपये का था। श्री खंडेलवाल ने बताया कि कारोबारियों और ग्राहकों ने इस बार भी चीन में बने उत्पादों का बहिष्कार किया, जिससे भारतीय निर्मित हर्बल रंग, गुलाल, पिचकारी, मिठाइयां, ड्राई फ्रूट्स, परिधान, गिफ्ट आइटम और अन्य उत्पादों की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। होली के उत्सव ने छोटे कारोबारियों, खुदरा विक्रेताओं और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपमक्र (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए बड़े आर्थिक अवसर पैदा किए हैं। दिल्ली में ही आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की उम्मीद है, जहां बाजारों में रंग, गुलाल, पिचकारी, मिठाइयों और उपहारों की खरीदारी के लिए भीड़ उमड़ रही है। इस बार के होली सीजन में पारंपरिक भारतीय परिधानों जैसे सफेद कुर्ता-पाजामा, सलवार-सूट और 卐हैप्पी होली卐 लिखे टी-शर्ट की भी भारी मांग देखी जा रही है। कैट के अनुसार, देशभर में तीन हजार से अधिक होली मिलन समारोहों का आयोजन हो रहा है, जिससे होटल, बैंक्वेट हॉल, फार्महाउस और रेस्टोरेंट सेक्टर को भी लाभ मिल रहा है। बाज़ार में हर्बल रंगों और गुलाल की अधिक मांग है, जबकि केमिकल युक्त रंगों की लोकप्रियता घटी है। खासकर स्पाइडर मैन और छोटा भीम थीम वाली पिचकारी, गुलाल स्प्रे और प्रेशर टैंक पिचकारी बच्चों के बीच खूब पसंद की जा रही है।

योगी ने दिल्ली में की मोदी से मुलाकात: 1 घंटे हुई बातचीत

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, मोदी-योगी के बीच 1 घंटे तक बातचीत हुई। इस दौरान यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर चर्चा हुई। इसके अलावा, सीएम ने महाकुंभ के सफल आयोजन को लेकर भी बात की। महाकुंभ में 5 फरवरी को पीएम प्रयागराज आए थे। तब दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। 32 दिन बाद दोनों की फिर से मुलाकात हुई। कल सीएम योगी ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। योगी ने शनिवार शाम दिल्ली में जेपी नड्?डा से मुलाकात की। योगी ने नड्डा को कुंभ की एक किताब भेंट की। यूपी में अब तक जिलाध्यक्षों की सूची फाइनल नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच जिलाध्यक्षों की सूची पर बात हुई।

हम आपके साथ हैं, डरिए नहीं काम शुरू करिए, 48 करोड़ का कर्ज बांटा: योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत मेरठ और सहारनपुर में 1,070 युवाओं को 48 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं के साथ खड़ी है और उनकी प्रगति में आने वाली हर बाधा को दूर करने के लिए संकल्पित है

मेरठ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मेरठ में युवा उद्यमियों को 48 करोड़ रुपये का ऋण बांटा। यह ऋण मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत दिया गया। योगी ने कहा कि सरकार युवाओं के साथ है और उनकी हर चुनौती में उनका साथ देगी। उन्होंने बताया कि यह योजना युवाओं को खुद का व्यवसाय शुरू करने और आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगी। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। कार्यक्रम में कई मंत्री और अधिकारी भी मौजूद थे। योगी ने मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निरीक्षण भी किया। को मेरठ और सहारनपुर मंडल के युवाओं से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत 1,070 युवाओं को 48 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया। यह योजना युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इससे वे नौकरी ढूंढ़ने के बजाय खुद के पैरों पर खड़े हो सकते हैं। योगी ने कहा कि सरकार युवाओं की प्रगति में आने वाली हर बाधा को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएन ने अपने संबोधन में युवाओं का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए चुनौती, चुनौती नहीं है। अगर सरकार उनके साथ खड़ी हो, तो वे चुनौतियों का सामना करते हुए अपना रास्ता खुद बना सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश के युवाओं ने खुद को आगे बढ़ाने का काम किया है। वे नौकरी की तलाश में भटकने के बजाय खुद का काम शुरू करना चाहते हैं। अपने माता-पिता पर निर्भर रहने के बजाय अपनी मेहनत से अपनी पहचान बनाना चाहते हैं।

सरकार युवाओं के साथ खड़ी हो तो वे किसी भी चुनौती से नहीं घबराते

मुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से अब तक कई युवाओं ने अपना कारोबार शुरू किया है और सफलता हासिल की है। यह साबित करता है कि अगर सरकार युवाओं के साथ खड़ी हो तो वे किसी भी चुनौती से नहीं घबराते। अपना रास्ता खुद बना लेते हैं। उन्होंने कहा कि यह नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार

ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

इस कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री राकेश सचान, राय मंत्री सौमेंद्र तोमर, दिनेश खटीक, मेरठ के सांसद अरुण गोविल और डॉक्टर लक्ष्मीकांत वाजपेयी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने योजना के तहत कारोबार शुरू करने वाले युवाओं की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इसे अक्टूबर-नवंबर तक राष्ट्र को समर्पित कर दिया जाएगा। यह यूनिवर्सिटी खेल के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ने के कई नए अवसर प्रदान करेगी।

पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त कर्ज

ऐसे ही जुनूनी और मेहनती युवाओं की मदद के लिए सरकार ने यह योजना शुरू की है। पहले चरण में पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त कर्ज दिया जाएगा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के लिए इसमें विशेष प्रावधान भी हैं, ताकि यादा से यादा लोग इस योजना का लाभ उठा सकें।

2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा

योगी ने इस योजना को प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक हजार अरब डॉलर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारत को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकता। इस रफ्तार से 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। उन्होंने पिछले आठ सालों में प्रदेश में सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और विकास के बारे में भी बताया। उन्होंने दावा किया कि आज प्रदेश में चारों तरफ से निवेश आ रहा है। हर जिले में उद्योग लग रहे हैं। साढ़े सात लाख युवाओं को नौकरियां दी जा चुकी हैं।

बजट सत्र के हंगामेदार रहने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का बजट सत्र सोमवार को फिर से शुरू हो रहा है। इस दौरान सरकार और विपक्ष के बीच जोरदार तकरार होने के संकेत मिल रहे हैं। विपक्ष, मतदाता सूची में कथित हेराफेरी, मणिपुर में हिंसा की ताजा घटना और ट्रंप प्रशासन के साथ भारत के व्यवहार जैसे मुद्दों को उठाने की योजना बना रहा है। वहीं दूसरी ओर सरकार का जोर बजटीय प्रक्रिया को पूरा करने, अनुदान मांगों के लिए संसद की मंजूरी लेने, वक्फ संशोधन विधेयक को पारित कराने और मणिपुर बजट के लिए मंजूरी दिलाने पर रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा के लिए संसद की मंजूरी मांगने के लिए एक वैधानिक प्रस्ताव पेश कर सकते हैं। इसके साथ ही सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मणिपुर के लिए बजट पेश करेंगी। बताते चलें कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू है। उधर विपक्ष ने कहा कि वह फर्जी इलेक्टोरल फोटो आइडेंटिटी कार्ड (ईपीआईसी) नंबरों के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। इस मुद्दे को उठाने में तृणमूल कांग्रेस सबसे आगे है। इसी क्रम में चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि वह अगले तीन महीनों के भीतर सुधार वाले कदम उठाएगा। चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस के उस दावे को खारिज कर दिया था जिसमें आरोप लगाया गया था कि पश्चिम बंगाल में दूसरे राज्यों के मतदाताओं को वोट करने की अनुमति देने के लिए मतदाता सूचियों में हेरफेर किया गया था। इसके अलावा आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि कुछ मतदाताओं के ईपीआईसी नंबर एक जैसे हो सकते हैं लेकिन उनकी भौगोलिक जानकारी, विधानसभा क्षेत्र और मतदान केंद्र जैसे अन्य विवरण अलग-अलग हैं। इस मुद्दे को लेकर तृणमूल कांग्रेस के नेता सोमवार को चुनाव आयोग से मिलने जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान संसद के दोनों सदनों में इस मुद्दे को उठाने के लिए कांग्रेस, डीएमके, शिवसेना-यूबीटी सहित अन्य विपक्षी दलों को भी एकजुट किया है।

संसद सत्र के हंगामेदार रहने की उम्मीद

मणिपुर में ताजा हिंसा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पारस्परिक शुल्क लगाने की धमकी और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के मुद्दे पर भी संसद में हंगामा होने की उम्मीद है। इस सिलसिले में कांगेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि इंडिया ब्लॉक के नेता वक्फ विधेयक का संयुक्त रूप से विरोध करने के लिए व्यापक विचार-विमर्श करेंगे।

समावेशी जलवायु कार्रवाई के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता

नयी दिल्ली, एजेंसी। रणनीतिक नीति संवादों और साहसिक वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बाद, द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) द्वारा आयोजित विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन 2025 के 24वें संस्करण में स्थिरता और जलवायु लचीलेपन के लिए वैश्विक एजेंडे को और मजबूत किया गया। टेरी के अध्यक्ष नितिन देसाई ने दीर्घकालिक पर्यावरणीय और विकासात्मक प्रभाव को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच निरंतर संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, सतत विकास दो ज्ञान समुदायों-विकास समुदाय और पर्यावरण समुदाय - के बीच सेतु का कार्य करता है। यही सततता की वास्तविक चुनौती है, हम विकास कैसे प्राप्त करें और साथ ही पर्यावरण की रक्षा कैसे करें।

कठुआ में स्थिति बेहद चिंताजनक: महबूबा

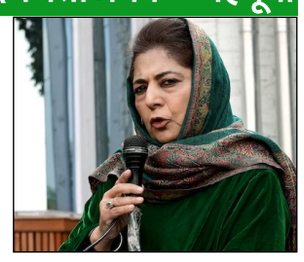

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कठुआ जिले की स्थिति को 'चिंताजनक' बताते हुए कहा है कि कुछ विघटनकारी तत्व सीमा के भीतर और पार 'सांप्रदायिक तनाव' भड़का सकते हैं। गौरतलब है कि तीन व्यक्ति जोगेश सिंह (35) निवासी मरहून, दर्शन सिंह (40) व बरून सिंह (14), दोनों देहोटा बिलावर निवासी, सात मार्च को एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद लापता हो गए थे, और उनके शव शनिवार को बिलावर के ऊपरी इलाकों से बरामद किए गए। सुश्री मुफ्ती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,कठुआ में स्थिति बेहद चिंताजनक है। थोड़े समय के अंतराल में मुस्लिम और हिंदू दोनों समुदायों के लगभग 12 लोगों की जान चली गई है। उनमें से पांच का कथित तौर पर पुलिस और गौरक्षकों द्वारा पीछा किया गया, जिसके कारण दुर्घटनाएँ हुईं। बाद में, हिंदू समुदाय के दो सदस्यों के शव बरामद किए गए, इसके बाद कल तीन और शव मिले, जिनमें एक चौदह वर्षीय बच्चे का दिल दहला देने वाला मामला भी शामिल है जबकि पुलिस माखन दीन जैसे पीड़ितों से झूठे बयान निकलवाने पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है, असली अपराधी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं।

मंडला-बालाघाट सीमा पर नक्सलियों और हॉक फोर्स का आमना-सामना, मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

मंडला/बालाघाट, एजेंसी। मंडला जिले में एक बार फिर नक्सलियों की धमक से हड़कंप मच गया है। मंडला-बालाघाट की सीमा पर लगे चिमटा फॉरेस्ट कैंप में रविवार को हॉक फोर्स और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। दोपहर से शुरू हुई देर शाम तक जारी है, इस मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया है। पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा ने नक्सली के मारे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि दोनों तरफ से फायरिंग जारी है। इस वजह से सुरक्षाबल मृत नक्सली के शव तक नहीं पहुंच पाए हैं। हालांकि दूर से शव दिखाई दे रहा है। सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन अंधेरा होने के बाद भी जारी है। इलाके में और नक्सलियों की मौजूदगी की आशंका के चलते पूरे क्षेत्र की घेराबंदी की गई है। मंडला पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के अनुसार खटिया मोर्चा के जंगलों में हॉक फोर्स की टीम सर्चिंग कर रही थी। इसी दौरान नक्सलियों ने गुट ने हॉक फोर्स की टीम पर फायरिंग प्रारंभ कर दी। हॉक फोर्स ने टीम के द्वारा जवाबी फायरिंग की गई। मुठभेड़ में दोनों तरफ से कई राउंड फायरिंग की गई। हॉक फोर्स की टीम ने एक नक्सली को मार गिराया है, जिसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। हॉक फोर्स द्वारा सर्चिंग अभियान जारी है। मुठभेड़ में अन्य नक्सलियों के घायल होने की संभावना है। नक्सली जंगलों में भाग गए है और हॉक फोर्स के जवान उनकी तलाश में लगे हुए हैं। मंडला जिले में लंबे समय से नक्सली अपनी उपस्थिति जंगलों में देते रहे हैं। यहां छोटी वारदातों को अंजाम देने के बाद ये नक्सली भाग जाते हैं। जिले में पुलिस और नक्सलियों की मुठभेड़ पहले भी हुई है। बता दें कि जिले मे कुछ वर्षों से सीआरपीएफ की बटालियन मंडला जिले में तैनात की गई है। जिसके बाद से जिला व हॉकफोर्स के ऑपरेशन को ताकत मिली है और अधिक ऊर्जा से अब बल कार्रवाई में जुट गया है।

धनखड़ एम्स में भर्ती, मोदी ने ली स्वास्थ्य की जानकारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत रविवार को अचानक बिगड़ गयी जिसके बाद उन्हें यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) में भर्ती कराया गया। तिहत्तर वर्षीय श्री धनखड़ को आज तड़के बेचैनी और सीने में दर्द की शिकायत के बाद तत्काल एम्स ले जाया गया और कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. राजीव नारंग की देखरेख में क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) में भर्ती कराया गया। उन्हें एक स्टेंट सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया है और डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। उनकी हालत अभी स्थिर बतायी गयी है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एम्स जाकर श्री धनखड़ के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। श्री मोदी ने कहा,एम्स जाकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

कुकी समूह के अनिश्चितकालीन बंद का दिखा मिलाजुला असर

मणिपुर में तनाव के बीच शांति, सुरक्षा बल अलर्ट

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में कुकी समूहों की ओर से सुरक्षा बलों की कार्रवाई के खिलाफ लागू किए गए अनिश्चितकालीन बंद का मिलाजुला असर नजर आया। राज्य के कुकी बहुल इलाकों में तनावपूर्ण शांति रही। वहीं कुछ जिलों में कुकी प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन किया। वहीं बंद को देखते हुए सुरक्षा बल अलर्ट मोड पर रहे। चूराचंदपुर और टेंग्नौपाल जिलों के कुकी बहुल इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाए और पत्थरों से सड़कें जाम कर दीं। जिन्हें सुरक्षा बलों ने हटाया। कुकी बहुल इलाकों में दुकानें बंद रहीं और यहां आंदोलनकारी लोगों से घरों के अंदर रहने के लिए कहते नजर आए। अफसरों ने बताया कि एनएच-2 (इंफाल-दीमापुर रोड) पर गमघीफाई और जिले के अन्य हिस्सों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है और कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वाहनों की गश्त की जा रही है। आईटीएलएफ ने कुकी जो काउंसिल द्वारा बुलाए गए अनिश्चितकालीन बंद को समर्थन दिया। इस बंद का उद्देश्य राज्य में सभी सड़कों पर मुक्त आवाजाही का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों की कार्रवाई का विरोध करना था। आईटीएलएफ ने कहा कि कुकी-जो क्षेत्रों के माध्यम से मैतेई लोगों की आवाजाही की अनुमति देने के भारत सरकार के फैसले से कांगपोकपी में आंदोलन और विरोध हुआ। सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर अत्यधिक बल का प्रयोग किया। शनिवार को कांगपोकपी जिले के विभिन्न हिस्सों में कुकी प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई, जबकि महिलाओं और पुलिसकर्मियों समेत 40 से अधिक अन्य घायल हो गए थे। वहीं मणिपुर पुलिस ने कहा कि कुकी प्रदर्शनकारियों द्वारा किए गए हमलों में 27 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने उन पर पत्थर फेंके और बड़े-बड़े पत्थर लगाकर, टायरों में आग लगाकर, पेड़ों को गिराकर सड़कों को जाम किया।

गुटबाजी से पार्टी को नुकसान होगा, खरगे ने दी चेतावनी

कर्नाटक, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के भीतर गुटबाजी के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी और आगाह किया है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच कोई भी मतभेद पार्टी और राज्य दोनों के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष की यह टिप्पणी श्री सिद्दारमैया और श्री शिवकुमार के बीच संभावित सत्ता-साझाकरण व्यवस्था या एक रोटेशनल मुख्यमंत्री पद की अटकलों की पृष्ठभूमि में आयी है। श्री शिवकुमार जहां अपनी मुख्यमंत्री पद की महत्वाकांक्षाओं के बारे में मुखर रहे हैं, वहीं श्री सिद्दारमैया के करीबी नेता इस बात पर जोर देते हैं कि वह अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। श्री खरगे ने शनिवार को यहां कल्याण पथ परियोजना के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए श्री सिद्दारमैया और श्री शिवकुमार से कर्नाटक के विकास के लिए सामंजस्य के साथ काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, अगर सिद्दारमैया और शिवकुमार अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ते हैं, तो इससे पार्टी कमजोर होगी और कर्नाटक की प्रगति को नुकसान पहुंचेगा।

सेना की टुकड़ी संयुक्त अभ्यास खंजर में हिस्सा लेने के लिए किर्गिस्तान रवाना

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना की टुकड़ी किर्गिस्तान के साथ संयुक्त विशेष बल अभ्यास खंजर के 12 वें संस्करण में हिस्सा लेने के लिए रविवार को किर्गिस्तान के लिए रवाना हो गयी। यह अभ्यास कल से शुरू होकर 23 मार्च तक चलेगा। वर्ष 2011 में शुरू हुआ खंजर अभ्यास दोनों देशों के बीच एक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है। यह अभ्यास दोनों देशों में बारी-बारी से होता है और पिछला अभ्यास जनवरी 2024 में भारत में हुआ था। भारतीय टुकड़ी का प्रतिनिधित्व पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) के सैनिक कर रहे हैं।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में मंदिर में तोड़फोड़, हिंदू-विरोधी नारे लिखे

सात महीने पहले भी कैलिफोर्निया के मंदिर में अभद्र नारे लिखे गए थे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की गई और उस पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए। ये घटना चिनो हिल्स इलाके में हुई। इसकी जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की गई हैं, उनमें मोदी-हिंदुस्तान मुर्दाबाद जैसे स्लोगन और पीएम मोदी के लिए अभद्र भाषा लिखी दिखाई दे रही है। मंदिर बनवाने वाली संस्था बीएपीएस अमेरिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर घटना की जानकारी शेयर की। सात महीने पहले सितंबर में भी कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में श्री स्वामीनारायण मंदिर में इस तरह की घटना हुई थी। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। मंत्रालय ने एक बयान जारी करके कहा कि हम स्थानीय लॉ अथॉरिटीज से अपील करते हैं कि वे आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे। साथ ही पूजा की जगहों पर पर्याप्त सुरक्षा का इंतजाम करेंगे। बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था ने दुनियाभर में 1000 से भी ज्यादा मंदिर बनवाए हैं। बीएपीएस का पूरा नाम बोचासनवासी श्री अक्षर पुरषोत्तम स्वामीनारायण संस्था है। कैलिफोर्निया में खालिस्तान आंदोलन के समर्थक खालिस्तानी रेफरेंडम यानी जनमत संग्रह का आयोजन करा रहे हैं। यह आंदोलन भारत के पंजाब राज्य से अलग एक स्वतंत्र सिख राज्य की मांग करता है।

हिंदू संगठन बोला- खालिस्तान जनमत संग्रह से पहले हुई घटना

अमेरिकी हिंदू संगठन ने भी इस घटना की निंदा की है। संस्था ने कहा कि एक बार फिर हिंदू मंदिर को तोड़ा गया। यह बस एक आम दिन है, जब मीडिया और अकादमिक जगत यह मानने से इनकार करेगा कि हिंदू विरोधी नफरत मौजूद है और को सिर्फ हमारी कल्पना बताया जाएगा। इसमें भी कोई हैरानी नहीं है कि ऐसा तब हो रहा है, जब लॉस एंजिलिस में खालिस्तान जनमत संग्रह का दिन नजदीक आ रहा है। अमेरिकी हिंदू संगठन ने ये भी बताया कि 2022 से अब तक अमेरिका के अलग-अलग राज्यों में कम से कम 10 मंदिरों में हिंदुओं के लिए अभद्र भाषा लिखी गई।

श्रीनिवासन तिवारी धर्मार्थ न्याय स्थापना दिवस का कार्यक्रम का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । श्रीनिवास तिवारी धर्मार्थ न्यास के स्थापना दिवस का कार्यक्रम शनिवार को पारा रोड स्थित स्काई अवध में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व उपमुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा मुख्यअतिथि , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।संचालन न्यास के अध्यक्ष, पूर्व विधायक सुरेश तिवारी ने किया। इस अवसर पर राष्ट्र धर्म पत्रिका के मनोज कांत , सर्वेश द्विवेदी, पवनपुत्र बादल,भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति अनिल शुक्ल , डी ए वी कॉलेज के प्रबंधक मनमोहन तिवारी ,जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष दिनेश तिवारी , सहित बड़ी संख्या में कई अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि श्रीनिवास तिवारी का जीवन त्यागमय जीवन था। उन्होंने कहा शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक भी होता है।श्रीनिवास जी ने शिक्षक के रूप में आमजन को प्रेरित करते हुए उन्हें राष्ट्र प्रथम की भावना से जोड़ते हुए राष्ट्रवाद को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि श्रीनिवास तिवारी के समाज के प्रति समर्पण की भावना को प्रेरणा मानते हुए न्यास जन जन की सेवा के लिए कार्य करेगा ऐसा मेरा विश्वास है । डॉ दिनेश शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित मातृ शक्ति को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने कहा कि कोई भी राष्ट्र तभी आगे बढ़ता है?, जब समाज उन्नति करते हुए आगे बढ़ता है। इसलिए हमारा संगठनात्मक कार्य समाज के लिए समर्पित होने चाहिए।जब बड़ा लक्ष्य लेकर समाज कोई काम करता है, कार्यकर्ता खड़े होते हैं और कार्य करने के लिए प्रेरणा मिलती है तो उसका परिणाम भी निश्चित प्राप्त होता है। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण एवं जम्मू कश्मीर में धारा 370 की समाप्ति भी सुखद परिणाम है। समर्पित कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ है। संगठन की कार्य पद्धति एक-एक व्यक्ति को जोड़ने की है। सभी के सुख-दुख में खड़े होने की इस पद्धति के साथ काम करना है। शुद्ध मन, सात्विक मन से सकारात्मक होते हुए समाज के लिए काम करने के भाव के साथ ही सेवा कार्य किया जा सकते हैं। श्रीनिवास तिवारी के नाम से बना ट्रस्ट स्वागत योग्य है। जहां समाज में कोई कमी हो उसे दूर करने के प्रयास के साथ यह ट्रस्ट काम करेगा मेरी शुभेच्छा है।

महिला ने देवर के खिला चाकू से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने की दर्ज कराई रिपोर्ट

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बिजनौर के न्यू गुड़ौरा निवासी महिला उमा ने अपने देवर संजू यादव के खिलाफ चाकू से हमला करने के साथ ही जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उमा का कहना है कि शनिवार दोपहर करीब 12:30 बजे वह अपने पति पिंटू यादव और बच्चों के साथ घर में थी। तभी देवर संजू यादव वहां पहुंचा और दरवाजे पर गाली गलौज करने लगा। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने लोहे के बांट और चाकू से उमा के ऊपर प्राण घातक हमला कर दिया। पीड़िता ने शोर मचाया तो आसपास के लोगों ने दौड़कर उसे छुड़ाया। पीड़िता का कहना है कि अगर आसपास के लोग दौड़कर ना बचाते तो वह जान से मार देता। लेकिन बाद में जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग निकला। आरोप है कि आरोपी इससे पहले भी गोली मारने की धमकी देते हुए उसके साथ मारपीट कर चुका है। इसको लेकर आरोपी के खिलाफ बिजनौर थाने में मामला भी दर्ज है। आरोप लगाया कि आरोपी ने धमकी दी कि वह उसे गोली मार देगा और पुलिस को पैसे देकर आराम से घूमता रहेगा। उसका कोई कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता। फिलहाल पीड़िता और उसका परिवार काफी डरा सहमा है। वहीं बिजनौर पुलिस ने उमा की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सिंदरी विधायक चन्द्र देव महतो उर्फ बबलू महतो को सूंड़ी (मंडल) समाज एक मांग पत्र सौंपा

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। झारखण्ड सरकार के सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो उर्फ बबलू महतो को सूंड़ी (मंडल) समाज के वर्षों पुराने माँग को विधानसभा के विशेष सत्र उठाने के लिए माँग पत्र सौंपा समाज के प्रतिनिधि मंडल ने । जहाँ सिंदरी के पूर्व विधायक आनंद महतो से विशेष मुलाकात कर कुछ जरुरी मुद्दे पर चर्चा कि सूंड़ी (मंडल) समाज गणमान्य नेता गण ने । मोके पर सूंड़ी (मंडल) समाज केंद्रीय और जिला स्तरीय नेता गण विशेष रूप से मौजूद थे।

चौराहों से अतिक्रमण ई-रिक्शा, ऑटो वालों ने सड़क पर किया कब्जा, लोगों परेशान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। नगर के मुख्य चौराहों और सड़कों के किनारे खड़े वाहन राहगीरों के साथ ही बाहरी क्षेत्र से आने वाले लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हैं। नगर के मुख्य बाजार में वरिष्ठ नागरिक और कारोबारियों ने जनसंदेश टाइम्स के साथ संवाद में इस समस्या पर चर्चा की।स्थानीय लोगों ने कहा कि नगर के मुख्य लंका प्राइवेट बस स्टैंड, सिटी रेलवे स्टेशन, बाइपास रोड के अलावा मिश्र बाजार, लाल दरवाजा और महुआबाग रोड पर हर समय ई-रिक्शा और ऑटो चालकों का जमावड़ा लगा रहता है। चालक सड़क पर वाहन खड़े कर सवारी बैठाते और उतारते हैं। एक-दूसरे से पहले सवारियां ले जाने की होड़ में आधी सड़क को घेर कर खड़े रहते हैं, जो बड़ी परेशानी का कारण है। इसके अलावा मुख्य चौराहों, गलियों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने और सीवर की समस्या से निजात दिलाने की भी मांग की गई। इस मौके पर पराग सिंह, हिमांशु शर्मा, गौरव यादव, बिट्टू शर्मा, शांतनु शर्मा, शिवशंकर आदि मौजूद रहे। नगर के मुख्य बाजार और चौराहों के पास वाहनों को खड़े करने की समुचित व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि आवागमन सुचारू रहे। - अरविंद नाथ राय, जल निगम रोड़ विभिन्न स्थानों पर नाले, सीवर मैनहोल उफना रहे हैं। सुबह-शाम मैनहोल का गंदा पानी रास्तों में बहता है। इससे निजात दिलाई जाए। - अमित राय चंदननगर। खाली प्लाट और रास्तों के किनारे गंदगी का ढेर लगा रहता है। नगर पालिका को इस ओर भी ध्यान देना चाहिए। -वरिष्ठ चिकित्सक डॉ राजीव कुमार राय, बड़ीबाग।

होली की खरीदारी पर बाजारों में बढ़ी रौनक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। जिलेभर में होली को लेकर बाजार सज गया है। खरीदारी को लेकर ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है जिसमें रेडिमेड व गारमेंट्स कपड़ा व किराना की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाके के बाजार में भी दुकानें सजी हैं और ग्राहक खरीदारी कर रहे हैं। इस समय सबसे अधिक भीड़ कपड़ा की दुकानों पर देखी जा रही है। महिला व पुरुष ग्राहक रेडिमेड कपड़ों की खरीदारी कर रहे हैं। महिलाएं व युवतियां कपड़ा दुकानों पर पहुंचकर कॉटन से लेकर नेट, शिफॉन, जार्जेट, साड़ियां लेटेस्ट रेंज की कुर्तियां, डिजाइनर सूट, इंडो-वेस्टर्न ड्रेस, सेमी गरारा लुक वाले सूट व गाउन, लेगिज, जिंस व टॉप आदि की खरीदारी कर रही हैं। किराना दुकानों पर भी बढ़ी ग्राहकों की भीड़ होली के अवसर पर घरों में शाकाहारी व मांसाहारी कई तरह के व्यंजन बनेंगे। इसको लेकर ग्राहक चावल, दाल, मसाला, तेल, घी, चीनी व अन्य किराना सामान की खरीदारी कर रहे हैं। शहर की किराना दुकानों पर भी इन दिनों ग्राहकों की भीड़ बढ़ गयी है। ग्राहक किराना सामान के अलावा ड्राई फ्रूट्स की खरीदारी भी कर रहे हैं। होली में घर आनेवाले मेहमानों को परोसने के लिए ड्राई फ्रूट्स का भी चलन है। सुबह से लेकर देर शाम तक बाजार रहे गुलजार होली की खरीदारी को लेकर शहरी व ग्रामीण इलाके के बाजार सुबह से लेकर शाम तक ग्राहकों से गुलजार रह रहे हैं। शहर के महुआबाग, मिश्र बाजार, लाल दरवाजा, नख्खास, स्टेशन रोड़, बंसीबाजार, गोराबाजार व अन्य जगहों पर संचालित दुकानों पर एक सप्ताह से ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। कपड़ा के अलावा ग्राहक जूता, चप्पल, सैंडल, मैचिंग चूड़ियां, कॉस्मेटिक्स सहित सौंदर्य प्रसाधन की सामग्रियों की भी खरीदारी कर रहे हैं। शहर में संचालित करीब दर्जनभर मॉलों में भी काफी संख्या में ग्राहक पहुंच रहे हैं और खरीदारी कर रहे हैं।

बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन के दो वर्ष बाद भी पारिश्रमिक के लिए शिक्षक लगा रहे चक्कर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। यूपी बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन के दो साल बाद भी शिक्षकों के पारिश्रमिक का भुगतान नहीं हुआ है। इसके अलावा 2024 में किए गए मूल्यांकन का भी अभी तक लाखों रुपये का बकाया है। शिक्षक पारिश्रमिक की मांग को लेकर कार्यालय के चक्कर लगाने के लिए विवश है। इसके बावजूद पारिश्रमिक जारी नहीं किया जा रहा है। बोर्ड परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन करने के बाद शिक्षक पारिश्रमिक भुगतान के लिए विभाग के चक्कर काट रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षकों का 2023 का पारिश्रमिक भुगतान बकाया है, इसके अलावा विभाग की ओर से वर्ष 2024 में बोर्ड परीक्षा की जांची गई कॉपियों का भी पारिश्रमिक का भुगतान नही किया गया है। पारिश्रमिक के भुगतान के लिए शिक्षक संघ के पदाधिकारी कई बार मांग कर चुके है, मगर भुगतान न होने के कारण शिक्षक कार्यालय के चक्कर लगा रहे है। कई बार उठाई जा चुकी है मांग -शिक्षकों के पारिश्रमिक के भुगतान के लिए कई बार जिला व शासन स्तर पर मांग की जा चुकी है। शिक्षकों के पारिश्रमिक का तीन साल से भुगतान न होने से शिक्षक मूल्यांकन केंद्र और कार्यालयों के चक्कर लगा रहे है जल्द समाधान न होने पर संघ की ओर से धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। -चौधरी दिनेश चंद्र राय, प्रांतीय मंत्री माध्यमिक शिक्षक संघ। शासन स्तर पर शिक्षकों का लाखों रुपये मूल्यांकन के पारिश्रमिक का बकाया चल रहा है। बार-बार मांग के बाद भी भुगतान नहीं हो रहा है।

मंदिर से मूर्ति सहित लाखों रुपये के गहने चोरी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। रेवतीपुर थाना क्षेत्र के डेढगावां गाँव के पूरब तरफ स्थित अतिप्राचीन काली मन्दिर में बीते देर रात्रि को चोरों ने मंदिर का मुख्य दरवाजा का ताला तोड़कर गर्भगृह में स्थित काली मूर्ति एवं दुर्गा मूर्ति से सोने चांदी के करीब डेढ लाख के आभूषण के साथ ही इन्वर्टर,बैट्री और साउंड मशीन पर अपना हाथ साफ कर दिया।इसकी जानकारी ग्रामीणों को उस समय हुई जब श्रद्धालु पूजा करने के लिए काली मन्दिर पहुंचे तो देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा है,जब गर्भगृह में देखा तो श्रद्धालु अवाक रह गये,देखा कि काली और दुर्गा मूर्तियों से सोने की दो नथियां,सोने का दो माटिका के साथ ही परिसर में उजाले के लिए लगाया गया इन्वर्टर, बैट्री और साउंड मशीन भी गायब था।मन्दिर में हुई इस भीषण चोरी की जानकारी इलाके में आग की तरह फैल गई,मौके पर महिला,पुरूषों आदि की भीड़ इकट्ठा हो गई,चोरी की इस वारदात से लोगों में आक्रोश फैल गया,लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी तो उनके हड़कंप मच गया,आननफानन में भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया।और घटनास्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों से चोरों के बारे में जानकारी लेनी चाही मगर कुछ पता नहीं चल सका,इस चोरी के मामलें में मंदिर समिति ने अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी,जिसके आधार पर पुलिस मामलें की छानबीन में जुट गई,लोगों ने इस वारदात का जल्द खुलसा करने की मांग किया।ग्रामीणों ने बताया कि इसके पहले भी काली मन्दिर को चोरों ने कई बार अपने चोरी का निशाना बना चुके है,लेकिन पुलिस आज तक चोरों को पकडना तो दूर चोरी गये हजारों रूपये के कीमती समानों को बरामद तक नहीं कर सकी है, लोगों ने कहा कि पुलिस अगर रात्रि गस्त करती तो शायद चोरी की इस तरह के वारदात को चोर अंजाम नहीं दे पाते।थानाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि चोरी की सूचना मिली है,पुलिस ने मन्दिर समिति के द्वारा दिए गये तहरीर के आधार पर इसकी छानबीन कर रही है,बताया कि जल्द ही इस चोरी का खुलासा कर दिया जाएगा।

आधार कार्ड में संशोधन के लिए लगीं लंबी लोग परेशान

➲ डाकघर और बैंकों में काउंटर की कमी के कारण लोगों को हो रही दिक्कत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। आधार कार्ड में संशोधन के लिए लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रधान डाकघर और बैंकों के बाहर सुबह से ही आधार कार्ड में संशोधन कराने के लिए लोगों की लंबी कतार लग रही हैं, लेकिन आधार कार्ड काउंटर की कमी के कारण लोगों को शाम तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने वाली हैं। प्रवेश के लिए आधार अनिवार्य है, लेकिन छोटे बच्चों के आधार न बनने और त्रुटि होने के कारण आधार काउंटरों पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है। कचहरी रोड स्थित प्रधान डाकघर पर ज्यादा बुरा हाल है। यहां सुबह से ही टोकन वितरण शुरु हो जाता है और करीब 50 लोगों का ही एक दिन में आधार संशोधन हो पाता है। ऐसे में शेष लोगों को मायूस होकर लौटना पड़ता है। इसके साथ ही शहर के विभिन्न स्थानों पर बैंकों में भी आधार कार्ड के लिए काउंटर खोले गए हैं, लेकिन डाकघर के साथ ही बैंकों में भी काउंटर की कमी होने के कारण लोगों को आधार कार्ड बनवाने और संशोधन के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। इस समस्या को लेकर जिम्मेदारों का कहना है कि फिलहाल डाकघर में आधार कार्ड में संशोधन के लिए एक ही काउंटर चल रहा है, जिस कारण समिति लोगों के ही आधार कार्ड संशोधित या बन पाते हैं। जल्द ही आधार कार्ड में संशोधन करने के काउंटर की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे लोगों को राहत मिल सके।

मौसम बदलने से बढ़ गए बुखार निमोनिया रोगी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। धूप से गर्मी और रात की ठिठुरन का अहसास कर रहे लोगों की सेहत पर बदलता मौसम भारी पड़ रहा है। निजी और सरकारी अस्पतालों में निमोनिया, बुखार और त्वचा रोग से पीड़ित लोग पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों ने करीब माह भर सावधानी बरतने का सुझाव दिया है। फरवरी-मार्च के दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव होता है। बदलते मौसम में तापमान से तालमेल बिठाने में शरीर को समय लगता है। इम्यून सिस्टम पर दबाव पड़ने से बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने की क्षमता प्रभावित होती है। धूप में भी हवा में नमी की अधिकता होती है। हल्का पसीना होने पर लोग साफ सफाई पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। इसलिए बैक्टीरिया, वायरस आसानी से हमला कर देते हैं। शनिवार को मेडिकल कॉलेज ओपीडी में करीब 400 मरीज बुखार, निमोनिया और त्वचा रोग से संबंधी पहुंचे। जिन्हें दवा दी और जरूरी जांच हुई। निजी चिकित्सक डॉ. आशीष ने बताया कि हल्का सा संक्रमण भी सर्दी, खांसी, फ्लू जैसे वायरल इंफेक्शन की वजह बन रहा है। शुरुआत गले के संक्रमण से होती है। फिर बासी भोजन भी जल्दी खराब हो जाता है। टिफिन का सेवन करने वाले लोग गैस्ट्रोइंटाइटिस की चपेट में आ जाते हैं।

जेई द्वारा लगाया गया था अवैध ट्रांसफार्मर हुआ ब्लास्ट लाइनमैन सहित पांच ग्रामीण झुलसे, हालत गंभीर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। विद्युत वितरण खण्ड चतुर्थ जमानिया के अंतर्गत उपकेंद्र भदौरा के उसिया फीडर के ग्राम उसिया में एक निजी आइस फैक्ट्री का अवैध तरीके से 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया था जो लगाने के दौरान दस मिनट बाद ट्रांसफार्मर में तेज आवाज के साथ धमाका हुआ जो मौके पर मौजूद चार ग्रामीणों सहित एक लाइनमैन बुरी तरह आग से झुलस गए जो सभी का उपचार के लिए ग्रामीणों द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया। हम बताते चले कि उपकेंद्र भदौरा के अवर अभियंता शशिकांत पटेल बराबर सुर्खियों में रहते हैं अभी कुछ माह पहले एक ठेकेदार के घर से 22 ट्रांसफार्मर अवैध तरीके पुलिस द्वारा पकड़ा गया था जिसमे इस अवर अभियंता की भूमिका संदिग्ध रही थी,वही उसी क्षेत्र के एक ठेकेदार सद्दाम खान है जिसके साथ अवर अभियंता का संपर्क गलत कार्यों में पिछले पांच सालों से जुड़ा हुआ है जो क्षेत्र के तमाम जगह गलत लाइन चार्ट बनाकर अवैध तरीकों से अवैध ट्रांसफार्मर लगाने का खेल इन लोगो बहुत दिनों से चल रहा है वही इस आइस फैक्ट्री का भी अवर अभियंता एवं ठेकेदार की मिलीभगत से बिना कंप्लेन किए एवं बिना पीआर नंबर के ही अवैध तरीके से लाइनमैन को प्रेशर देकर ट्रांसफार्मर लगा दिया गया था जो दस मिनट बाद ट्रांसफार्मर फट गया और उसके गर्म तेल से कुल पांच लोग बुरी तरह झुलस गए हैं। वही लाइनमैन मंटू ने बताया कि मुझे पिछले दस दिनों से जेई एवं ठेकेदार द्वारा बोला जा रहा था कि इस आइस फैक्ट्री वाले का ट्रांसफार्मर लगा दो नहीं तो नौकरी से बर्खास्त कर दिए जाओगे तब जिसमें मेरे द्वारा जेई को बोला गया था कि ट्रांसफार्मर का कोई पीआर नंबर नहीं है फिर भी जेई द्वारा मुझे दबाव दिया गया तब जाकर हम ट्रांसफार्मर को चढ़ाए और चार्ज करने के दौरान ब्लास्ट हो गया जिसमें मेरा हाथ झुलस गया वही चार ग्रामीणों बुरी तरह झुलस गए हैं जिन सभी का उपचार आइसलैंड हॉस्पिटल दिलदारनगर किया जा रहा है।

यातायात होमगार्ड की ड्यूटी के दौरान मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के छोटे चौराहे पर यातायात व्यवस्था संभाल रहे होमगार्ड राजेश पाल की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। 54 वर्षीय राजेश पाल ग्राम पुरवा टेनई, थाना मांखी के निवासी थे। बता दे कि शनिवार शाम को छोटे चौराहे पर ड्यूटी के दौरान उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें कानपुर कार्डियोलॉजी रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। राजेश पाल लंबे समय से यातायात विभाग में होमगार्ड के रूप में कार्यरत थे। उनके सहकर्मियों ने बताया कि वह एक ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी थे। उनकी मृत्यु से पुलिस और होमगार्ड विभाग में शोक की लहर है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार के अनुसार, राजेश पाल पूरी तरह स्वस्थ थे। स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने सरकार से उनके परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। होमगार्ड विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले कर्मियों के परिवारों को सरकार की ओर से मुआवजा मिलना चाहिए।

डिगवाडीह में गुरु शिव परिवार जननी सुरक्षा ट्रस्ट द्वारा मेडिकल जांच व दवाई वितरण का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। डिगवाडीह के राम पारिखा धर्मशाला में गुरु शिव परिवार जननी सुरक्षा ट्रस्ट द्वारा आयोजीत वंचित समाज की महिला को मेडिकल जांच व दवाई वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन राजकुमार अग्रवाल वरीय भाजपा नेता व राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज कुमार कमल ने दीप प्रज्वलित कर की। अध्यक्षता रामाशीष चौहान ने की संगरक्षक राजकुमार अग्रवाल , संस्थापक श्वेता किन्नर बने। लगभग 100 महिलाओ का जांच व दवाई वितरण हुआ। रामाशीष चौहान ने कहा कि हमारी संस्था उद्देश है महिलाओं को प्रशिक्षण देकर के रोजगार से जोड़ना , ग्रुप बनवाकर के अबतक कई महिलाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण देकर के रोजगार से जोड़ा गया है और स्वरोजगार हेतु ग्रुप लोन व एकल लोन देकर के रोजगार से जोड़ा जारहा है। मौके पर दिलीप कुमार नौनिया , राजेश गोश्वमी रेहा भाई हेमराज चौहान , हिरालाल चौहान , बेबी देवी निलम सहनी आदी मौजूद थे , आज स्ट्रार आर्यावेद डॉ0 ब्यूटी कुमारी न्युटिश्यन नेचरो पैथ के सी एस चौधरी व अन्य चिकित्सकों ने , प्राकृतिक चिकित्सा व आयुर्वेद पद्दती से कुशल पूर्वक जांच किया गया। भारतीय जन जागरूक पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम पांडे , सचिव पवन कुमार दास के अलावे आदि लोग मौजूद थे। वहीं महिलाओं ने शिव चर्चा कर के लोगों को सनातन धर्म के आस्थाओं से रूबरू कराया।

महिला दिवस पर हुआ रक्तदान और सम्मान कर्म क्रान्ति सेवा फाउंडेशन द्वारा वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कर्मक्रान्ति सेवा फाउंडेशन द्वारा वृहद रक्तदान शिविर और रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में किया गया। नगर पालिका अध्यक्षा श्वेता मिश्रा, नगर पंचायत रसूलाबाद अध्यक्षा गज़ाला नईमुद्दीन, सी एम एस डॉ आर ए मिर्ज़ा रिज़वी, सदर विधायक प्रतिनिधि प्रखर गुप्ता ने इस अवसर पर अपने संबोधन में रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए इसके द्वारा शरीर को स्वस्थ रखने के बारे में बताया। फाउंडेशन के अध्यक्ष चेतन मिश्रा ने फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे विभिन्न सेवा के कार्यक्रमों की व्यापक जानकारी देते हुए उपस्थित मातृशक्तियों को महिला दिवस की बधाइयाँ दीं। मंचासीन अतिथियों सहित रेड क्रॉस सभापति आशादीन तिवारी, उप सभापति डॉ मनीष सिंह सेंगर, सचिव संदीप पाण्डेय, राज्य प्रतिनिधि हरिहर दीक्षित, अधिवक्ता अजेन्द्र अवस्थी, समाजसेवी अजय शुक्ला, विजय त्रिपाठी, नगर पंचायत प्रतिनिधि नईमुद्दीन अंसारी, डॉ मोहम्मद मूसा, स्वच्छता प्रहरी शैलेंद्र पाण्डेय, प्रचीन्द्र मिश्रा, पुष्पेंद्र मिश्रा, जितेंद्र दीक्षित जीतू आदि को फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। महिला दिवस के अवसर पर रेनू वर्मा, नीतू तिवारी, आरती वर्मा, सरिता शुक्ला, वरिष्ठ समाजसेविका निम्मी अरोड़ा, उमा शुक्ला, मंजू अवस्थी एडवोकेट, मंजुला त्रिवेदी, यशी सिंह आदि को सम्मानित किया गया। रक्तदाताओं फाउंडेशन अध्यक्ष चेतन मिश्रा, प्रशांत सोनी, सुशील कुमार तिवारी, अम्बुज मिश्रा, शाश्वत त्रिवेदी, चंद्र वर्धन सिंह, श्याम दीक्षित, ओम त्रिपाठी, विपुल सिंह, अखिलेश विश्वकर्मा, सौरभ, आशीष कुमार, रवि नारायण, अक्षय कुमार, अखिलेश ओमर, हरदेवेंद्र, अनुराग सिंह परिहार, चंदन गुप्ता, पुष्पेंद्र यादव, मोहित सिंह, हरीश रावत, संदीप कुमार आदि को प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र व माला भेंट कर सम्मानित किया गया। संचालन कर रहे फाउंडेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ मनीष सिंह सेंगर ने सभी का आवाहन किया संस्था द्वारा किए जा रहे अनेकानेक अनुष्ठानों में सहयोग के लिए। 40 रक्तदाताओं ने पंजीकरण कराया और 24 रकवीरों ने महादान किया। टीम हम हैं सेवक के प्रेरक अनूप कुशवाहा ने 10 सदस्यों और कर्मक्रान्ति परिवार के 14 सदस्यों ने रक्तदान किया। झांसी, सुल्तानपुर, लखनऊ और कानपुर से भी आकर स्वैक्षिक रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

श्री सेवार्थ फाउंडेशन ने गरीब बच्चों को बांटा अबीर गुलाल, होली को लेकर खुश दिखे बच्चे

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। श्री सेवार्थ फाउंडेशन के नेतृत्व में होली के पावन अवसर पर ग्राम सभा हुसैन नगर उन्नाव में संस्था द्वारा गरीब बच्चों को होली की पिचकारियां, रंग, गुलाल, खाद्य सामग्री इत्यादि का वितरण किया गया, होली के इस पावन अवसर पर अध्यक्ष प्रथम श्रीवास्तव ने बताया कि त्यौहार के पूर्व संस्था के सदस्य गरीब बच्चों के बीच जाकर त्यौहार मनाते है और उन्हें उपहार भेंट करते है, सचिव आशीष निगम ने व्यक्तियों को हुड़दंग एवं अराजकता न फैलाकर इस त्यौहार को सौहार्द के साथ मनाने की बात की, कोषाध्यक्ष निर्भय निगम द्वारा भविष्य में गरीब एवं असहाय लोगों में संस्था की तरफ से हर संभव मदद करने की बात की गई। इस अवसर पर विधिक सलाहकार राकेश सिंह, विशिष्ट संरक्षक रामप्रकाश चौरसिया, उपाध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला, उपाध्यक्ष रिया मिश्रा, शोभित मिश्रा, पुनीत मिश्रा, माला अवस्थी, दीपक सोनी, आयुष ठाकुर आदि रहे।

ब्रज की रसोई नि:शुल्क भूख मिटाने की यह लड़ाई सिर्फ संस्था की नहीं, बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाज के निर्धन, असहाय और जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए ब्रज की रसोई एक उम्मीद की किरण बनकर उभरी है। यह पहल इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी के प्रमुख विपिन शर्मा के नेतृत्व में शुरू की गई है, जो लखनऊ के आशियाना क्षेत्र और आसपास के इलाकों में गरीबों, निराश्रितों और बेसहारा बुजुर्गों-बच्चों को निःशुल्क पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा रही है। संजय श्रीवास्तव कहते है ब्रज की रसोई केवल भोजन वितरण का कार्य नहीं कर रही, बल्कि यह करुणा और सेवा की भावना को भी बढ़ावा दे रही है। संस्था के सदस्य विनोद मिश्रा ने कहा हमारी टीम इस सेवा को एक चिरकालिक परंपरा के रूप में देखती है, जिसमें सिर्फ अन्न दान ही नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के साथ प्रेम और संवेदनशीलता भी साझा की जाती है। वहीं दीपक भुटियानी ने बताया रसोई में हमेशा पौष्टिक भोजन तैयार किया जाता है, जिसे गरीबों, बेसहारा बच्चों और बुजुर्गों तक पहुंचाया जाता है। संस्था की राष्ट्रीय महिलाध्यक्ष रजनी शुक्ला ने जानकारी दी कि निःशुल्क भोजन वितरण आशियाना क्षेत्र और आसपास के इलाकों में किया जाता है, जहां जरूरतमंदों की संख्या अधिक है। वरिष्ठ सदस्य अमित गुप्ता ने कहा अन्न दान केवल भोजन देने का कार्य नहीं है, बल्कि यह समाज में स्नेह और भाईचारे को भी बढ़ावा देता है। ब्रज की रसोई के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि अगर हर व्यक्ति थोड़ा-थोड़ा योगदान दे तो समाज में कोई भी भूखा नहीं रहेगा। वहीं दीपांशु राज ने इस पवित्र सेवा में भाग लेकर लोग आशा और खुशी फैलाने में मदद करने की अपील की। टीम से शिल्पी गुप्ता ने कहा यदि कोई भी व्यक्ति इस अन्नदान सेवा में सहयोग करना चाहता है, तो वे आर्थिक सहायता, खाद्य सामग्री दान या सेवा में प्रत्यक्ष रूप से योगदान देकर इसका हिस्सा बन सकते हैं। देवांश रस्तोगी ने समाज के लोगों से अपील की है कि वे इस अभियान से जुड़ें और अन्न दान की शक्ति के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने में अपना योगदान दें। संस्था के सदस्य मुकेश कनौजिया ने बताया कि आज के भोजन वितरण अभियान के तहत 1020 जरूरतमंदों को पौष्टिक छोला-चावल वितरित किया गया। यह भोजन सेक्टर एम रिक्शा कॉलोनी, रतन खंड पानी टंकी के पास की झुग्गियों, निर्माणाधीन विद्यालयों के श्रमिकों और उनके परिवारों, जोन-8 की झुग्गियों और श्रमिक परिवारों तक पहुंचाया गया। इस सेवा कार्य में देवांश रस्तोगी, संजय श्रीवास्तव, दीपक भुटियानी, अमित गुप्ता, दीपांशु आनंद, मुकेश कनौजिया, विनोद मिश्रा, रजनी शुक्ला और शिल्पी गुप्ता सहित कई समाजसेवियों ने अपना योगदान दिया। संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

होली के पर्व को ध्यान में रखते हुए हुड़दंगियों से बचाव के लिये कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बैठक हुई सम्पन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। थाना पीजीआई में आज होली के त्यौहार को नजर रखते हुए पीस कमेटी की बैठक रखी गई जिसमें कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र सिंह एवं एसीपी अभय प्रताप रहे इस बैठक में व्यापारी बंधु प्रतिष्ठित गढ़ मान्य क्षेत्रवासी लोग एवं पार्षद की भूमिका रही बैठक में होली एवं जुम्मे की नमाज की सुरक्षा को लेकर कई दिशा निर्देश दिए गए द्य सभी क्षेत्रवासियों को यह कहा गया है कि अपने बच्चों को त्यौहार के दिन गाड़ी ना दे अगर किसी के भी बच्चे गाड़ी पर तीन सवारी या नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए पाए जाएंगे तो वह गाड़ी थाने में जमा कर दी जाएगी और उनके परिवार जनों को बुलाकर तब गाड़ी वापस की जाएगी एवं उसे दिन जुम्मे की नमाज भी है इसलिए इस त्यौहार को बहुत ही शांतिपूर्वक मनाने की अपील की गई द्य इस बैठक में अवध वृन्दावन डेवलपमेंट एसोशिएसन के अध्यक्ष व भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के प्रदेश सचिव एस के द्विवेदी, साथ में समाज सेवक अशोक कुमार सिंह , तथा उतरेठिया उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष ललित सक्सेना संरक्षक सत्येंद्र सिंह वरिष्ठ महामंत्री श्याम साहू वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजपाल सिंह उपाध्यक्ष मेहताब संगठन मंत्री पिंटू कश्यप एवं दिगंबर वडवाल मीडिया प्रभारी अरुण श्रीवास्तव तेलीबाग से तेलीबाग व्यापार मंडल अध्यक्ष पतंजलि यादव सनत गुप्ता एवं पार्षद पति सुनील रावत एवं बहुत सारा व्यापारी वर्ग रहा उतरेटिया उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष ललित सक्सेना एवं उनकी पूरी टीम ने एसीपी अभय प्रताप जी को सम्मानित कियाअखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की व्यापार पत्रिका भेंट की ।

2 वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार किया

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। लखनऊ पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर द्वारा, राजधानी लखनऊ (दक्षिणी) क्षेत्र में,थाना सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस को वारंटी अभियुक्त 1 कैलाश रावत निवासी बिरखुम्भा मजरा सोनई क?जहरा थाना सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ, 2 मंहगू निवासी माढरमऊ कला थाना सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ को गिरफ्तार किया, थाना प्रभारी अंजनी कुमार मिश्रा ने खाई कसम अपराधियों को जीने नहीं दूंगा सख्त से सख्त होगी कार्रवाई, इसी क्रम में (दक्षिणी) डीसीपी, द्वारा दिशा निर्देश पर गठित कि कई टीमें लगातार अपराधियों को धर पकड़ कर रही है। जिसमें आज थाना सुशांत गोल्फ सिटी प्रभारी निरीक्षक अंजनी कुमार मिश्रा,के नेतृत्व में आरोपीयों को गिरफ्तार कर,नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है,

आईना महिला प्रकोष्ठ द्वारा मनाया गया महिला दिवस एवं प्री होली सेलिब्रेशन

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सभी नारी शक्तियों को समर्पित अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय महिला दिवस पर, ÷कोई हाथ छूटे ना कोई साथ ना छूटे, सभी नारी आधार है÷ ÷परिवार के किसी की चेहरे की मुस्कान ना टूटे÷ कि तर्ज पर आईना की प्रदेश अध्यक्षा गुरमीत कौर प्रदेश उपाध्यक्षा सरबजीत कपूर, समीना फातिमा, नंदिनी मोतियानी और टीम के अन्य सदस्यों द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी शक्तियों को एक दूसरे से अवगत कराया गया। ऑल इंडिया न्यूजपेपर एसोसिएशन, आईना की प्रदेश अध्यक्षा व उनकी महिला टीम द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को आईना मंच के माध्यम से उनके द्वारा समाजहित में किया जा रहे उन्नत कार्यों की प्रशंसा करते हुए सफल कार्यक्रम का आयोजन महिलाओं की उन्नति को दर्शाया गया, जो कि एक बेहतरीन प्रतीक बनकर उभरा है। नारी शक्ति के संघर्षों, संकल्प और सफलता के उत्सव के खास 8 मार्च के दिवस को ऑल इंडिया न्यूज़ पेपर एसोसिएशन के तत्वाधान में मनाए जाने से संपूर्ण समाज में महिला जागरूकता का संदेश दिया गया। इसी क्रम में महिला दिवस के साथ-साथ सभी महिलाओं ने प्री होली सेलिब्रेशन भी मनाया इसके अंतर्गत गेम्स, सोशल एक्टिविटीज, रैंप वॉक और नाच गाने के साथ साथ एक दूसरे को अबीर गुलाल रंग लगाते हुए सभी को सभी ने एक दूसरे को अग्रिम होली की शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं में गुरमीत कौर, सरबजीत कपूर, नंदिनी मोतियानी, समीना फातिमा, श्रेया कपूर, डॉ शिखा, सोमी सलूजा, प्रीति, वंदना मणि त्रिपाठी, गरिमा श्रीवास्तव, राजेंद्र कौर, रूबी सेठ, कुलविंदर कौर, नाहिदा मिश्रा, सरजीत कौर, पायल मेहता, रोसेल किरण कुमारी, वीणा गाबा, जसबीर कौर, प्रिया मिश्रा, प्रीति कौर, विशाखा चटर्जी, सविता मौर्या, मनप्रीत कौर, सीमा धनकनी, शिखा पांडे, डिंपल कौर, आरती, रिंपी कौर, मधु, कुसुम यादव, महेंद्र कौर इत्यादि महिलाएं उपस्थित रही।

समाचार

कवितालोक सृजन संस्थान के सौजन्य से पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । पुस्तक मेला में आचार्य ओम नीरव के संयोजन में किया गया। इस आयोजन में डॉ. योगेश की अध्यक्षता और डॉ. गंगा प्रसाद शर्मा %गुणशेखर% के मुख्य अतिथित्व में कवयित्री भारती पायल की दो पुस्तकों %मुक्तक भारती% और %दोहा भारती% का लोकार्पण किया गया। वरेण्य अतिथि के रूप में डॉ. वेद प्रकाश अग्निहोत्री, विशिष्ट अतिथि के रूप में अष्ठाना महेश प्रकाश और निर्भय नारायण गुप्त %निर्भय% और मुक्य वक्ता की भूमिका में डॉ. शिव मंगल सिंह %मंगल% उपस्थित रहे। सरिता कटियार ने लोकार्पित कृतियों से दोहों और मुक्तकों का सस्वर वाचन किया। भारती पायल ने कृतज्ञता ज्ञापन करते हुए कहा कि उनकी ये पुस्तकें वास्तव में कवितालोक की देन हैं। अध्यक्षीय उ?द्बोधन में डॉ. योगेश ने पायल भारती की लगन और काव्य साधना को अद्भुत बताया। मुख्य अतिथि गुणशेखर ने कहा कि भारती के मुक्तक प्यार के पतझार में भी शहनाई का स्वर गुंजाने की क्षमता वाले मुक्तक हैं। वरेण्य अतिथि डॉ. वेद ने कहा कि %दोहा भारती% वास्तव में भारती की संवेदनशीलता और छन्दानुरक्ति की समवेत परिणति है। मुख्य वक्ता डॉ. मंगल ने बताया कि भारती के मुक्तकों और दोहों में जीवन का यथार्थ झलकता है। समारोह का संचालन संदीप अनुरागी ने किया और आभार अनुराग अग्रवाल ने व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कीर्ति फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क महिलाओं के लिए स्वास्थ्य कैंप का हुआ आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कीर्ति फाउंडेशन लखनऊ ने अपने कल्याणपुर, लखनऊ स्थित कार्यालय पर महिलाओं के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए निशुल्क हेल्थ चेकअप कैम्प का आयोजन किया। जिसके अंतर्गत कुशल चिकित्सकों द्वारा महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उचित सलाह दी गई और विशेष कर गर्भवती महिलाओं का उचित मार्गदर्शन कर उन्हें विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्रदान की गई और सभी महिलाओं को माहवारी के समय की साफ सफाई की जागरूकता भी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त सभी जरूरतमंद महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के अनुसार परीक्षण कर विभिन्न दवाइयों कैल्शियम, आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी12, विटामिन डी3, मल्टीविटामिन कैप्सूल्स का वितरण भी किया गया। फाउंडेशन के इस प्रयास से लगभग 54 महिलाएं लाभान्वित हुई। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान डॉ. कीर्ति पाण्डेय व डॉ. शिवांगी श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कीर्ति फाउंडेशन की अध्यक्षा डॉ. कीर्ति पांडेय ने हेल्थ चेकअप कैम्प मे महिलाओ का परिक्षण कर उन्हे उचित मार्गदर्शन और सलाह देने के लिए डॉ. शिवांगी श्रीवास्तव का धन्यवाद व्यक्त किया।

सेक्टर 6 वृंदावन योजना चौक में प्रगतिशील ब्राह्मण कल्याण समिति द्वारा भगवान परशुराम मूर्ति की स्थापना

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। प्रगतिशील ब्राह्मण कल्याण समिति द्वारा भगवान परशुराम मूर्ति स्थापना समारोह सेक्टर 6 वृन्दावन योजना स्थित परशुराम चौक पर किया गया। परशुराम चौक पर भगवान परशुराम की प्रतिमा की स्थापना विधायक सरोजनीनगर डॉ राजेश्वर सिंह द्वारा की गयी है। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक डॉ राजेश्वर सिंह द्वारा बताया गया कि भगवान परशुराम की प्रतिमा का अनावरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 10 मार्च को डिजिटल तरीके से किया जायेगा। प्रगतिशील ब्राह्मण कल्याण समिति द्वारा परशुराम चौक के सौंदर्यकरण के लिए किये गए प्रयासों की डॉ राजेश्वर सिंह ने सराहना की और परशुराम चौक को और भी सुन्दर व आकर्षक बनाये जाने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महापौर सुषमा खर्कवाल ने भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापना को ऐतिहासिक कार्य बताया एवं प्रगतिशील ब्राह्मण कल्याण समिति के सभी पदाधिकारियों की इस अलौकिक कार्य के लिए प्रशंसा की, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि परशुराम चौक को नगर निगम द्वारा सुन्दर व आकर्षक बनाया जायेगा। मुख्य वक्ता के तौर पर फर्रुखाबाद से पधारें वरिष्ठ कवि डॉ शिवओम अम्बर ने भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला, उन्होने कहा भगवान परशुराम विष्णु के अवतार है, शस्त्र और शास्त्र का समन्वय भगवान परशुराम के जीवन चरित्र में देखने को मिलता है, इसलिए उनको सिर्फ ब्राह्मण समाज तक सीमित न कर सर्व समाज को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में ब्राह्मण परिवार के अध्यक्ष शिवशंकर अवस्थी, पूर्व सदस्य विधान परिषद गुड्डू त्रिपाठी, भाजपा नेता गोविन्द पाण्डेय, छावनी परिषद के सदस्य प्रमोद शर्मा, मुकेश शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में रामशंकर त्रिपाठी, राजेंद्र वाजपेयी की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत पार्षद रजनी अवस्थी एवं समिति के पदाधिकारियो द्वारा किया गया व धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष डॉ ए.पी. मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रणव अग्निहोत्री द्वारा किया गया। पुनः एक बार कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का आभार समिति के पदाधिकारी पी.एम. चौबे, सुशील पांडे, राम सेवक त्रिपाठी, केशव मूर्ति तिवारी, कर्नल एल.के. तिवारी, किशोर मिश्रा, शिवप्रकाश मिश्रा, अशोक पांडे, लालमनि पांडे, दिनेश पांडे, डॉ एन.के. तिवारी, विनोद कुमार पाण्डे, आदित्य ओझा, अखिलेश पांडे, अतुल मिश्रा, अवधेश बाजपेई, के.के. शुक्ल, अजय तिवारी, विनोद दुबे, प्रदीप चतुर्वेदी, घनश्याम तिवारी, पवन तिवारी, आलोक मिश्रा, डॉ पवन तिवारी, धर्मेंद्र तिवारी, संजय चौबे, डी.सी. पांडे, शिवकरण बाजपेई, विनय बाजपेई, तरुण मिश्रा एवं कार्यक्रम में शिरकत सभी मीडिया बन्धुओं का समिति के मीडिया प्रभारी अनिल कुमार दुबे एवं सह मिडिया प्रभारी पदम रंजन भट्ट द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी ने धूमधाम से मनाया महिला दिवस और फूलों की होली

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी की राष्ट्रीय महिलाध्यक्ष और उनकी टीम ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए महिला दिवस और फूलों की होली मिलन समारोह का आयोजन किया। इस खास मौके पर संस्था की राष्ट्रीय महिलाध्यक्ष रजनी शुक्ला ने समाज की सशक्त, जागरूक और प्रेरणादायक महिलाओं ने एकजुट होकर महिलाओं के उत्थान और उनके अधिकारों पर चर्चा की। इस समारोह में मनी गुप्ता, अनुराधा शुक्ला, अनुपमा सिंह, रितु भारद्वाज, मंजू दयाल, पारुल त्रिपाठी, अलका दुबे, इंदु शुक्ला और नीलम त्रिपाठी सहित कई विशिष्ट महिलाएं शामिल हुईं। इंदु शुक्ला ने बताया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के अधिकार, उनके योगदान और समाज में उनकी स्थिति को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना था। अनुराधा शुक्ला ने समारोह में महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता और उनके कानूनी अधिकारों पर चर्चा की। वहीं मनी गुप्ता ने महिला अधिकारों से जुड़ी सरकारी योजनाओं, आत्मनिर्भर भारत में महिलाओं की भूमिका और समाज में उनके सम्मान को बनाए रखने के उपायों पर प्रकाश डाला। रितु भारद्वाज ने बताया कार्यक्रम के अंत में फूलों की होली खेली गई, नीलम त्रिपाठी ने कहा जिसमें महिलाओं ने मिलकर खुशियों के रंग बिखेरे। इस दौरान सभी ने एक-दूसरे को फूलों से रंगकर सौहार्द, प्रेम और एकता का संदेश दिया। इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी महिला अधिकारों और कल्याण के लिए लगातार प्रयासरत है। संस्था की राष्ट्रीय महिलाध्यक्ष रजनी शुक्ला का लक्ष्य महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, आत्मरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करना है। इस आयोजन ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया कि जब महिलाएं एकजुट होती हैं, तो वे समाज में बदलाव लाने की शक्ति रखती हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लखनऊ पुलिस मित्र परिवार द्वारा किया गया रक्तदान शिविर का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ पुलिस मित्र परिवार द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लोक बन्धु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय कानपुर रोड लखनऊ में संरक्षक कवीन्द्र प्रताप सिंह रिटा. आईपीएस एवं संस्थापक व मोटीवेटर जितेन्द्र सिंह के मार्ग दर्शन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया उक्त रक्तदान शिविर में करीब 100 से अधिक रक्तदाताओं नारी शक्तियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें 31 यूनिट रक्तदान हुआ नारी शक्ति का योगदान बहुत बढ़ चढ़ कर रहा रक्तदान के विशिष्ट अतिथि श्री कल्याण सिंह कैंसर इंस्टिट्यूट के कंसल्टेंट डॉ. पी. पी रावत, लोक बन्धु चिकित्सालय के डायरेक्टर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ब्लड बैंक इंचार्ज पूरे स्टाफ के उपस्थित रहें मुख्य आकर्षण का केन्द्र लखनऊ पुलिस

मित्र परिवार के वरिष्ठ रक्तदाता श्री आर.एन. बोस रहे,जो कि 64 वर्ष की आयु में रक्तदान किये, और आज उनका 112 वां रक्तदान हुआ और ये 127 बार एसडीपी डोनेट कर चुके है। जो समाज के लिए प्रेरणा स्तोत्र है। इस अवसर पर लखनऊ पुलिस मित्र परिवार के को फाउंडर कुलदीप किशोर तिवारी,वरिष्ठ कोऑर्डिनेटर सुश्री ज्योति खरे (सिविल डिफेन्स लखनऊ) वरिष्ठ कोऑर्डिनेटर आशीष सिंह, कोऑर्डिनेटर प्रशान्त शुक्ला, सिविल डिफेन्स के सहायक उपनियंत्रक मनोज कुमार वर्मा, प्रशांत तिवारी यूपीएसडीआरए प्रशांत बाजपेयी,अज़हर ज़माल सिद्धिकी, एडवोकेट मनीष शुक्ला,अनीता शुक्ला, पवन सिंह अवनीश पाण्डे, प्रमोद शुक्ला, संध्या यादव का अत्यधिक सहयोग रहा कैंप की शुरुआत महिला रक्त वीरांगनाओ ने की सुधा टंडन सिविल डिफेन्स लखनऊ, शैल वर्मा पत्नी मनोज कुमार वर्मा और नूतन वर्मा उत्तर पुलिस के द्वारा किया गया तथा कैंप का समापन पुलिस मित्र परिवार की सरिता सिंह पत्नी जितेंद्र सिंह एवं पुलिस मित्र परिवार के संस्थापक जितेंद्र सिंह द्वारा एक साथ रक्तदान कर किया गया कैंप मे मुख्य रूप से ऋषि सिंह एवं उनकी पत्नी तिरुशि सिंह, नेहा सिंह पति पत्नी सहित, एटीएस के देवेंद्र सिंह,बी के सिन्हा, पारुल सिंह, अनुराग पाण्डे, सर्वेश सिंह, नेहा सिंह,निवेदिता बोस, भोला पाण्डे, विश्व कुमार पाल प्रशांत सिंह विनोद सिंह सहित बहुत सारे रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

सरकार कब तक औरंगजेब और अकबर और कुंभ के नाम का सहारा लेती रहेगी लोकदल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। औरंगजेब और बाबर पर हो रहे सियासी बयानों पर लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह जी ने कहा है किबाबर और औरंगजेब को बेवजह घसीटा जा रहा है. उन्होंने कब चाहा था कि सनातन धर्म खत्म हो जाए। लोकदल के सुनील सिंह जी ने कहा है कि बयानों और जुबानी हमलों में आए दिन इतिहास से जुड़े किसी न किसी कैरेक्टर का नाम सुनाई देता रहेगा। क्रूर मुगल शासक औरंगजेब और अकबर नाम का जिक्र होता रहेगा। सरकार निशाना साधने के लिए औरंगजेब और अकबर,कुंभ का सहारा ले रही है। आने वाले दिनों में इतिहास से जुड़े इस तरह के और भी कई नाम सुनने को मिल सकते हैं। यह इतिहास से जुड़ा मामला है। भारत को ब्रिटिश हुकूमत से आज़ाद हुए 76 साल से अधिक समय हो गया है. इसके बावजूद यहाँ व्यावहारिक स्तर पर बीजेपी का आधार अभी भी जाति-धर्म ही है।

जातीय और धार्मिक भावनाओं को उभारकर राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति की जा रही है। 21वीं सदी के तीसरे दशक में हैं. यह डिजिटल सदी है. दुनिया तकनीकी विकास के उस युग में पहुँच चुकी है, जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बोलबाला है.हम अपनी तुलना चीन और जापान से नहीं करते है। इसके विपरीत भारत में बीजेपी अभी भी जाति-धर्म की चाशनी में सराबोर राजनीति की धारा बहा रही है देश में जाति-धर्म की मिलावट के मोर्चे पर भारत में कुछ भी नहीं बदला है। जिससे आम जनता चाहकर भी जाति-धर्म के चंगुल से बाहर नहीं निकल पा रही है बीजेपी को सिर्फ़ और सिर्फ़ सत्ता हासिल करने की महत्वाकांक्षा तक सीमित है. इस महत्वाकांक्षा को हासिल करने में बीजेपी और उसके नेता किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

संपादकीय

रंगभरे कैनवस पर रची गयी फिल्में

साल का यह समय वह है, जब फिज़ा में लाल, गुलाबी, पीले व हरे रंग बिखरे हुए हैं। इसके लिए होली का शुक्रिया अदा करना जरूरी है। रंगों के इस उत्सव का भारतीय संस्कृति में जबरदस्त महत्व है और इस अवसर की मौज-मस्ती का बॉलीवुड फिल्मकारों ने भरपूर फायदा उठाया है। रोमांस, ड्रामा व जज्बाती उतार-चढ़ाव की कहानियों को पेंट करने के लिए होली का इस्तेमाल कैनवस के रूप में किया गया। अनेक फिल्मों में कहानी आगे बढ़ाने के लिए होली पृष्ठभूमि के तौरपर प्रयोग की गयी। होली कब है? इस डायलॉग को गब्बर सिंह (अमजद खान) ने बोला था ताकि वह होली के अवसर पर रामगढ़ पर हमला कर सके। इस तरह कहानी को दिशा देने के लिए फिल्म में होली की उमंग व पृष्ठभूमि का प्रयोग किया गया। यही नहीं, रंगों का यह उत्सव वीरू (धर्मेंद्र) व बसंती (हेमा मालनी) के बीच प्रेम की पींगें बढ़ाने के लिए भी प्रयोग किया गया और इस अवसर पर जो गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' गाया गया वह तो होली प्लेलिस्ट का हिस्सा बन गया है। यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' में होली का सीन और चर्चित गीत 'रंग बरसे' भी है, जो कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देने में भूमिका निभाता है। जैसे ही होली की तरंग सिर चढ़कर बोलती है वैसे ही अमित (अमिताभ बच्चन) और चांदनी (रेखा) अपनी शर्म, संकोच को भूल जाते हैं। उनका प्रेम जगजाहिर हो जाता है और अमित की पत्नी शोभा (जया बच्चन) और चांदनी का पति डॉ. आनंद (संजीव कुमार) इस प्रेम लीला को देखते रहते हैं। यहीं से फिल्म के किरदारों में तनाव उत्पन्न होने लगता है। फिल्म 'मोहब्बतें' में होली उत्प्रेरक का काम करती है, जिससे रीति-रिवाजों पर प्रेम को विजय हासिल करने का अवसर मिल जाता है। विद्रोही राज आर्यन मल्होत्रा (शाहरुखघ् खान) एहतियात को ताक पर रखकर अपने छात्रों को होली का जश्न मनाने के लिए ले जाता है। छात्र नाचते-गाते हुए प्रेम में गिरफ्तार हो जाते हैं और यह बात गुरुकुल के प्रधानाचार्य नारायण शंकर (अमिताभ बच्चन) को पसंद नहीं आती है। लेकिन तब तक होली की वजह से गुरुकुल में विद्रोह का बिगुल बज चुका होता है। अयान मुखकी फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' में बन्नी (रणबीर कपूर) और नैना (दीपिका पादुकोण) के जीवन में नया मोड़ आता है। नैना को बन्नी गंभीर व पढ़ाकू समझता था, लेकिन जब होली जश्न में वह नैना को बिंदास, मस्त रूप में देखता है तो उसका नैना के प्रति नजरिया बदल जाता है। हमें दोस्ती और मस्ती के पल 'बलम पिचकारी' की धुन पर देखने को मिलते हैं। इसी तरह 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' फिल्म में जब राम (रणवीर सिंह) और लीला (दीपिका पादुकोण) रंगों के बादलों में फ्लर्ट करते हैं, तो उनमें प्यार खिलने का अवसर मिल जाता है। फिल्म 'दामिनी' की कहानी का आधार ही होली पर हुई घटना थी। एक गरीब घर की दामिनी (मीनाक्षी शेषाद्री) को एक रईस लड़का (ऋषि कपूर) नाचते हुए देखता है। अपने परिवार का विरोध करते हुए भी उससे शादी कर लेता है। लड़की उस खोखले समाज में अपने को मिसफिट पाती है, पर बर्दाश्त करती रहती है। लेकिन उसके सब्र का बांध उस समय टूट जाता है, जब होली पर उसके पति का छोटा भाई दोस्तों के साथ मिलकर घर की नौकरानी से सामूहिक बलात्कार करता है, और बाद में हत्या भी, जिसे दामिनी देख लेती है और अदालत से दोषियों को सजा दिलाती है। तो होली न सिर्फ रंगों व मस्ती का त्योहार है बल्कि प्रेम व्यक्त करने का अवसर भी। जाहिर है ऐसी सिचुएशंस फिल्म वालों को बहुत पसंद आती हैं, इसलिए बहुत सी फिल्मों की कहानियों का ताना-बाना होली के इर्दगिर्द बुना गया और होली पर फिल्मी गानों की तो एक लम्बी सूची है। हालांकि फिल्मों में अब होली गाने न के बराबर हो गये हैं। हालांकि पहले की हिंदी फिल्मों में ऐसे बहुत ही कम वर्ष हैं कि जिस साल कोई न कोई हिट गीत होली पर न आया हो। हिंदी फिल्मों में होली के गीत देने का ट्रेंड महबूब खान की फिल्म 'औरत' (1940) से शुरू हुआ, जिसमें होली के एक नहीं बल्कि दो गीत थे।

डिजिटल आर्ट के उभरते क्षेत्र में बनाएं भविष्य

देश में हर क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है, उसे देखते हुए भारत में डिजिटल आर्ट के क्षेत्र में कैरियर की जबर्दस्त संभावनाएं उभरी हैं। यहां एनीमेशन, गेमिंग, फिल्म, विज्ञापन और सोशल मीडिया इंडस्ट्रीज की मांग लगातार बढ़ रही है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और वीआर (वर्चुअल रिएलिटी) के विकास के साथ डिजिटल आर्ट भविष्य के लिए एक प्रोमिसिंग क्षेत्र बनकर उभरा है। अगर साल 2025 से 2030 के बीच अनुमान लगाएं तो भारत में अकेले गेमिंग इंडस्ट्री ही 10 से 12 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर चुकी होगी। साल 2024 में ही यह 3 बिलियन टर्नओवर का सालाना आंकड़ा पार कर चुकी थी। गेमिंग इंडस्ट्री बड़े पैमाने पर डिजिटल आर्टिस्टों को अपने यहां नौकरी देती है, जबकि एनीमेशन और वीएफएक्स की मांग भी लगातार बढ़ रही है, जिसकी वजहें बिल्कुल रियल एक्सपीरियंस देने वाला ओटीटी प्लेटफॉर्म, विज्ञापन उद्योग और फिल्में हैं। इंस्टाग्राम, यू-ट्यब और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म में डिजिटल आर्टिस्टों की खूब मांग है। इस फील्ड में फ्रीलांस के भी अच्छे मौके हैं। इस क्षेत्र में प्रोमिसिंग कैरियर हासिल करने के लिए कुछ डिग्री पाठ्यक्रम और संस्थान श्रेष्ठ हैं। बता दें कि डिजिटल डिजाइन और विचुअल आर्ट में अहमदाबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन में बेहतरीन कोर्स उपलब्ध हैं। यह डिग्री कोर्स करने के बाद नौकरी की हर तरफ संभावनाएं रहेंगी। वहीं सी-डैक संस्थान से मल्टीमीडिया और डिजाइन टेक्नोलॉजी से जुड़े कई सर्टिफिकेट कोर्स किये जा सकते हैं, जिसके बाद डिजिटल आर्ट में कैरियर की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इसके अलावा आईआईटी बॉम्बे के आईडीसी स्कूल ऑफ डिजाइन से इंट्रैक्शन डिजाइन और डिजिटल आर्ट के बेहतरीन कोर्स कर सकते हैं। इसके साथ ही एनीमेशन और वीएफएक्स पर केंद्रित कोर्स माया एकेडमी ऑफ एडवांस सिनेमेटिक्स से कर सकते हैं। इसी तरह पर्ल एकेडमी ऑफ दिल्लीधमुंबई से डिजिटल आर्ट और डिजाइनिंग में डिग्री और डिप्लोमा कोर्स करके डिजिटल आर्ट क्षेत्र में कैरियर बनाया जा सकता है। डिजिटल आर्ट के क्षेत्र में काम करना है तो विदेश में भी कई संस्थान बेहतर हैं। जैसे डिजिटल मीडिया विजुअल आर्ट्स में अमेरिका स्थित रोड आइसलैंड स्कूल ऑफ डिजाइन विश्व स्तरीय संस्थान है। अमेरिका में ही एनीमेशन और गेम आर्ट के लिए सेवंथ कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन प्रसिद्ध है। अगर फ्रांस में पढ़ना चाहते हैं तो यहां वीएफएक्स और डिजिटल एनीमेशन में विश्व स्तरीय संस्थान मौजूद है, जिसका नाम गोबलिन्स एल इकोड डी ला इमेज है। इसी तरह लंदन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट्स से भी डिजिटल आर्ट, ग्राफिक्स डिजाइन और थ्री डी आर्ट में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। गेमिंग कंपनियां जैसे यूवी सॉफ्ट, रॉक स्टार गेम्स, ईए स्पोर्ट्स, जिंगा और नजारा टेक्नोलॉजी जैसी कंपनियां कई तरह की नौकरियां देती हैं। इसी तरह फिल्म और वीएफएक्स इंडस्ट्री में रेड चिलीज वीएफएक्स, एमटीसी, डीएनजीई, प्राइम फोकस और प्रेम स्टोर जैसी कंपनियां नौकरी देने में आगे हैं। मीडिया विज्ञापन क्षेत्र में ऑगेलिग, वंडरमैन, थॉमसन, लियोवर्नेट आदि एड एजेंसियां काफी नौकरियां देती हैं। इसी तरह एआई और स्टार्टअप्स क्षेत्र में भी टीसीएस, इनफोसिस, विप्रो जैसी कंपनियां यूएक्सध्यूआई डिजाइन के लिए डिजिटल आर्टिस्ट हायर करती हैं। सबसे पहले स्किल सीखें यानी फोटोशॉप, इलेस्ट्रेटर, ब्लैंडर, प्रो-क्रिएट, यूनिटी, अनरियल इंजन जैसे टूल्स में मास्टरी हासिल करें, अपना पोर्टफोलियो बनाएं, इंटरनर्शिप करें। फ्रीलांस प्रोजेक्ट्स लें और नेटवर्क बनाएं। प्रारंभिक कैरियर के लिए ये उपाय फायदेमंद हैं। इस क्षेत्र में प्रेशर को 4 से 8 लाख रुपये का पैकेज मिल जाता है। अगर 3 से 7 साल तक का अनुभव है तो 8 से 20 लाख रुपये का पैकेज पा सकते हैं।

डॉनल्ड ट्रंप का भारत के प्रति रवैया

प्रेम शर्मा

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का रूख भारत के प्रति सकारात्मक नही दिख रहा है। पहले अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को अपमानित कर बेडियॉ डालकर वापस भेजना फिर टैरिफ का हमला करना उनकी व्यापारिक कूटनीति का प्रमाण है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप टैरिफ के सवाल पर जिस तरह का अड़ियल रुख दिखा रहे हैं, उसके मद्देनजर अब यह उम्मीद करने का खास मतलब नहीं दिखता कि वह आखिरकार अपनी राह बदलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रंप ने उनके सामने टैरिफ पर जैसे को तैसा की नीति अपनाने की बात कह कर सबको चौंका दिया था। अब अमेरिकी संसद में उन्होंने दोबारा भारत का नाम लेते हुए 2 अप्रैल से इस नीति पर अमल की घोषणा कर रहा-सहा संदेह भी समाप्त कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप न केवल पिछली सरकारों के दौरान किए गए समझौतों और दी गई प्रतिबद्धताओं से पीछे हटते रहे हैं बल्कि कनाडा और मेक्सिको पर ऊंचा टैरिफ लगाकर अपने पिछले कार्यकाल के दौरान 2019 में इन देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते का भी निरादर करते दिख रहे हैं। ऐसे में यह सवाल पूछा जा रहा है कि उनके साथ कोई समझौता हो भी जाता है तो उसके टिके रहने की क्या गारंटी होगी। ऐसे में टैरिफबढ़ने के खतरे को वास्तविक मानकर इससे उपजी चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करना ज्यादा जरूरी है। यह कोई आसान राह नहीं साबित होने वाली, लेकिन दो स्तरों एक साथ प्रयास करते हुए आगे बढ़ा जा सकता है।जहां भी संभव हो अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क में कटौती कर बदले में अमेरिकी सरकार से रियायत ली जाए। इसके साथ ही ट्रंप की पॉलिसी से प्रभावित हो रहे अन्य देशों के साथ समझौता करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। मसलन, अमेरिकी बाजार में मुश्किलें झेल रहा कनाडा अभी हमारे काम आ सकता है। पुराने मतभेदों को फिलहाल एक तरफकरके आपदा की इस स्थिति में बन रहे अवसरों का तत्काल और बेहिचक इस्तेमाल करने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुार तो अमरीका के अड़ियल रूख को देखकर भारत को अमेरिका के साथ सभी बातचीत से हट जाना चाहिए। ट्रंप प्रशासन के साथ चीन और कनाडा जैसे देशों की तरह पेश आना चाहिए। अमेरिका भारत पर उन व्यापारिक मांगों को मानने के लिए भारी दबाव डाल रहा है जो ज्यादातर अमेरिकी हितों के पक्ष में हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके अधिकारी ज्यादातर गलत आंकड़ों का इस्तेमाल करके सार्वजनिक रूप से भारत का अपमान कर रहे हैं। ऐसे हालात में कोई भी संतुलित नतीजा संभव नहीं है। एक व्यापक व्यापार समझौता न केवल टैरिफ में कटौती पर, बल्कि सरकारी खरीद, कृषि सब्सिडी, पेटेंट कानूनों और अप्रतिबंधित डेटा प्रवाह पर भी अमेरिकी मांगों के लिए दरवाजे खोल देगा। भारत इसका लगातार विरोध करता रहा है। भारत बदले के दृष्टिकोण के तहत 90 फीसदी से अधिक औद्योगिक वस्तुओं को कवर करने वाली एक व्यापक पारस्परिक टैरिफ व्यवस्था पर विचार करे। ऐसे में भारत तभी टैरिफखत्म करेगा जब अमेरिका भी ऐसा ही करे। डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति से अमरीका में गाड़ी महंगी होने के चलते कंपनी कभी भी भारत में अपना बिजनेस नहीं बढ़ा पाएगी। कम एक्सपोर्ट से व्यापार घटा बढ़ता है। इकोनॉमी धीमी रफ्तार से बढ़ेगी। लेकिन इसके ठीक विपरीत भारत में रेसिप्रोकल टैरिफ से फूड प्रोडक्ट, टेक्सटाइल्स, क्लोदिंग, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, जेम्स एंड ज्वेलरी, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटोमोबाइल जैसे इंडियन एक्सपोर्ट अमेरिकी बाजार महंगे हो सकते हैं। इससे ये सामान वहां कंपीट नहीं कर पाएंगे। अभी भारत के सामान पर अमेरिका कम टैरिफ लगाता है। जिससे भारत को ट्रेड सरप्लस का फायदा मिलता है। टैरिफ बढ़ने से भारत को ट्रेड सरप्लस से मिलने वाला फायदा कम हो सकता है। अमेरिका के ज्यादा टैरिफ से बचने के लिए अगर भारत अमेरिकी सामानों पर टैरिफघटाता है, तो अमेरिकी चीजें भारतीय बाजार में सस्ती हो जाएंगी। इससे इन सामानों का इंपोर्ट बढ़ सकता है। ज्यादा इंपोर्ट का मतलब डॉलर की ज्यादा डिमांड यानि रुपया कमजोर होगा और भारत का इंपोर्ट बिल बढ़ जाएगा। इसका मतलब अब अमेरिका से सामान खरीदने के लिए ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। अगर भारत टैरिफ कम नहीं करता, तो अमेरिकी कंपनियां हाई टैरिफ से बचने के लिए भारत में ही अपने प्रोडक्शन पर जोर दे सकती हैं, इससे फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा। टैरिफ से भारत के ऑटो से लेकर कृषि तक के एक्सपोर्ट सेक्टर में चिंता बढ़ गई है। अनुमान के आधार पर ट्रम्प के टैरिफ बढ़ाने से भारत को हर साल लगभग 7 बिलियन डॉलर यानि 61 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। हालाकि जब से अमेरिका ने पारस्परिक शुल्क की घोषणा से दुनिया भर में आशंकाओं के बादल गहराने लगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जो देश जितना शुल्क हमसे वसूलता है, उतना ही शुल्क हम भी उससे वसूल करेंगे। माना जा रहा है कि इससे व्यापार युद्ध शुरू हो जाएगा। चीन सहित कई अन्य देशों ने इसका सीध प्रतिवाद किया है। मगर भारत की तरफसे तुरंत इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई। स्वाभाविक ही सबकी नजरें भारत की तरफ लगी हुई थीं। भारत के विदेशमंत्री के अनुसार अमेरिका की शुल्क संबंधी नीतियों का भारत पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

> **"अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का रूख भारत के प्रति सकारात्मक नही दिख रहा है। पहले अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को अपमानित कर बेडियॉ डालकर वापस भेजना फिर टैरिफका हमला करना उनकी व्यापारिक कूटनीति का प्रमाण है"**

दाल देख और दाल का पानी देख

व्यंग्य-आलेखः संजय पराते

रोटी के साथ दाल मिलना भी अब नसीब की बात है। आज की ताजा खबर है कि बाजार में दाल का संकट आने वाला है, क्योंकि सरकारी दाल का भंडार खाली है। क्यों खाली है, इस पर टिप्पणी करेंगे ; लेकिन इसका मतलब यह है कि गरीबों को अब दाल-रोटी या दाल-भात खाने का सपना छोड़ देना होगा। हां, दाल की जगह नमक से काम चलाया जा सकता है। अधिकांश राज्य सरकारें राशन दुकानों से सस्ता आयोडीन नमक वितरित कर रही हैं और वोट लेने का नमक अदा कर रही हैं। नमक हलाली शायद इसी को कहते हैं कि दाल की जगह नमक परोसा जाएं! हमारे देश के लोग हर साल 300 लाख टन दाल हजम कर जाते हैं। ये आंकड़ा कितना बड़ा है, इसकी पड़ताल करे, तो पता चलता है कि हर व्यक्ति रोज लगभग 60 ग्राम दाल चट कर जाता है। इतनी दाल!, फिर भी शिकायत यह कि दाल में पानी ज्यादा होता है। देश की 140 करोड़ की आबादी को दाल सहज-सुलभ हो, इसके लिए दाल का बफर स्टॉक कम से कम 35 लाख टन होना चाहिए। लेकिन नेफेड और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता फेडरेशन (एनसीसीसीसी) बता रहा है कि सरकार के गोदाम में केवल 14.5 लाख टन दाल ही बची है, जो कि न्यूनतम आवश्यकता का केवल 40त्न ही है। इसमें तुअर दाल 35000 टन, उड़द 9000 टन, चना दाल 97000 टन ही है, जिसे लोग खाने में सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। इन दालों की जगह दूसरी दाल के इस्तेमाल के बारे में सोचें, तो मसूर दाल का स्टॉक भी केवल पांच लाख टन का ही बचा है। इसका अर्थ है कि आप जो भी दाल खाएं, उसमें पानी की मात्रा तिगुनी करनी होगी। फिर जो दाल बनेगी, उसमें दाल के कुछ कतरे ढूंढने की कसरत भी करनी होगी। मुफ्तखोर और काहिल जनता को कुछ काम भी मिल जाएगा। थक-हारकर धीरे से वह सरकार का नमक भी खाने लगेगी और अगले चुनाव में इस नमक का हक भी अदा करेगी। ÷नमक-नमक÷ का यह नमकीन खेल चलता रहेगा, लेकिन कुछ की थाली में दाल ही दाल होगी और पांचों उंगलियां और सिर डॉलर में। आज ऐसे धन-पिशाचों की संख्या 85-86 हजार है, तो कल 93-94 हजार होगी। हाल ही में जारी वेल्थ रिपोर्ट का यही आकलन है। करोड़ों की थाली का दाल कुछ हजारों की थाली में समा जाएगा, तो इन हजारों की थाली का नमक करोड़ों की रगों में बहेगा। पूरी दुनिया देखेगी कि दाल और नमक के बंटवारे से हमारे देश में देशभक्ति की कैसी लहर उठती है!! जो लोग आर्थिक असमानता का रोना रोते हैं, वे देखेंगे कि इस असमानता से कैसी सांस्कृतिक एकता पैदा होती है। तब उन्हें संस्कृति की ताकत का भान होगा और अपने तुच्छ माया-मोह पर पछतायेंगे। लेकिन फिर भी देश की सांस्कृतिक एकता को खड़ा करने और प्रचंड देशभक्ति की लहरों को देखने के बजाय कुछ सिरफिरे सवाल खड़ा कर रहे है कि बफर स्टॉक में कमी क्यों? इसका सीधा-सा कारण है कि सरकार को बाजार में दाल मिल नहीं रही। क्यों नहीं मिल रही?, क्योंकि किसान सरकार को बेच नहीं रहा। क्यों बेच नहीं रहा?, क्योंकि उसे घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से ज्यादा कीमत बाजार में मिल रही है। सरकार ने जिस अरहर की एमएसपी 7500 रूपये प्रति क्विंटल तय की है, बाजार उसे 10000 रुपये में खरीद रहा है। क्या यह 10000 रूपये सी-2 लागत के डेढ़ गुना से अधिक है? नहीं, वह ए-2 एमएसपी से कुछ अधिक तो है ही। फिर इस अधिक कीमत पर खरीद कौन रहा है? जी, कोचियों के जरिए कॉरपोरेट खरीद रहे हैं। क्या उन्हें इससे घाटा नहीं होगा? नहीं, वे और ज्यादा मुनाफा पीटने के लिए खरीद रहे हैं। क्या कहा! अधिक कीमत पर खरीदकर वे और ज्यादा मुनाफा कमाएंगे? हां, जब सरकार के पास दाल नहीं होगी, तो अपने निजी स्टॉक के बल पर वे बाजार में दाल का कृत्रिम संकट पैदा करेंगे, इससे दाल की कीमतें बढ़ेगी, कालाबाजारी होगी तथा और ज्यादा मुनाफे की फसल लहलहाएगी। लेकिन यह गलत है, सरकार को कुछ करना चाहिए न?, सही बात है। सरकार ने घोषणा की है कि कुछ लाख टन दाल का वह आयात करने जा रही है। लेकिन इतने से आयात से गरीब जनता का क्या होगा? होना क्या है जी, वह दाल देखेगी और दाल का पानी देखेगी। कुपोषित होगी और भूख से मरेगी। गरीब जनता होती ही है भूख से मरने के लिए। फिर चाहे वह आंबेडकर के जनतांत्रिक गणराज्य में मरें या संघ-भाजपा के हिन्दू राष्ट्र में, क्या फर्क पड़ता है? उसे तो वोट देकर नमक का हक अदा करना है! लेकिन आप तो दाल के संकट से पैदा देशभक्ति की लहरों को गिनिये। इस देशभक्ति के लिए दाल का त्याग तो किया ही जा सकता है। इस त्याग से वैश्विक भुखमरी सूचकांक में हम कुछ ऊपर और चढ़ जायेंगे, दुनिया में हमारा कुछ नाम और रोशन होगा। लेकिन ऐसी देशभक्ति तो बड़ी खतरनाक है, जो हमारे देश की जनता को ही भूखा मार दें! जी नहीं, हमारी देशभक्ति वैसी ही है, जैसी ट्रंप की। वे अपने देश की सेवा कर रहे हैं, हम ट्रंप की। ट्रंप की सेवा में ही मेवा है। ट्रंप विश्व अधिनायक हैं और हम विश्व गुरू। अंग्रेजों के जमाने से हमारे परम पूज्यों ने यही सिखाया है कि जनता-वनता के चक्कर में समय बर्बाद मत करो, विश्व अधिनायक की वंदना करो और मशरूम-काजू के बने तर माल उड़ाओ। आप भी समझ जाइए कि हमारा राष्ट्रवाद कितने काम का है। न समझे, तो हमारी ईडी, सीबीआई सब समझा देगी। जेल के पानी में दाल के छिलके ढूंढना पड़े, तो फिर मत कहना बच्चू।

मेष:- किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन हतोत्साहित होगा। संबंधों के प्रति कुछ नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन में उत्साह का संचार होगा।

बृषभ:- स्वयं पर भरोसा रख योजनाओं को सुचारू रुप से क्रियान्वित करें। सगे-संबंधों में सरल व व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। अर्थाभाववश चिंता संभव।

मिथुन:- समस्याओं के समाधान हेतु मन नयी-नयी युक्तियों पर केंद्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित न हो। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

कर्क:- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

सिंह:- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी किंतु कायरे को समय से पूर्ण करें।

कन्या:- कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। पेशे संबंधी कोई यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

तुला:- मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में संतुलित वाणी का प्रयोग करें। कोई हितैषी बिगड़े हुए संबंधों को सुधरवायेगा। रोजगार में अपनी क्षमता का लाभ उठाएंगे।

वृश्चिक:- सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु संतुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सगे-संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां संभव।

धनु:- नये समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय-व्यय में संतुलन बनाने का प्रयत्न करें। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य का त्याग करें।

मकर:- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

कुंभ:- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता से प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरें की व्यस्तता रहेगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

मीन:- क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें। रोजगार में लाभ के नये अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

ऑनलाइन निष्क्रिय रहने का सुख, नहीं लग पाता पक्षपात का आरोप!

इंटरनेट मीडिया में आप निष्क्रिय हैं तो कभी भी यह आरोप नहीं लग सकता कि आप इधर के हैं या उधर के? अब तो साइबर एक्सपर्ट भी कह रहे हैं कि आनलाइन प्लेटफार्मों में जो जितना अधिक सक्रिय है उसके ठगे जाने की उतनी अधिक आशंका है। ऑनलाइन सोशल प्लेटफार्म पर आप सक्रिय रहते हैं तो दिल की बात मुंह आने का डर होता है। अन्य क्षेत्रों में सक्रिय रहना भले अच्छा माना जाता हो, लेकिन आनलाइन प्लेटफार्मों पर निष्क्रिय लोग प्रायः सुखी देखे जा रहे हैं। अब तो साइबर एक्सपर्ट भी कह रहे हैं कि आनलाइन प्लेटफार्मों में जो जितना अधिक सक्रिय है, उसके ठगे जाने की उतनी अधिक आशंका है। इसी तरह इन प्लेटफार्मों में सक्रियता आपको लती बनाती है और आप दुनिया भर की समस्याओं को सुलझाने की चिंता में नाहक दुबले होते रहते हैं। उन देशों की भी समस्याएं, जिन्हें मानचित्र में खोजना भी आपके लिए कठिन हो। आप इस जल्दी में भी रहते हैं कि किसी भी ट्रेंडिंग मसले पर कुछ लाइक या फिर वायरल होने वाली पोस्ट कैसे करें। इस फेर में अपना टेंशन बढ़ाते रहते हैं। इस टेंशन से बचना है और चैन से रहना है तो चाहे बजे डंका, चाहे जले लंका, आप तो बस आराम कीजिए। जब आप ताजा खबर, बबन फैंस क्लब, सजातीय मंच, आज का ज्ञान, साहित्य शिरोमणि जैसे वाट्सएप समूहों में जबरिया जोड़ लिए गए हों या फिर अपनी इच्छा से जुड़े हों तो भी वहां निष्क्रियता से बढ़िया और कुछ नहीं। वहां सक्रिय रहकर आप अपना टेंशन बढ़ाएंगे और आपको शुभ प्रभात के संदेश दोपहर तक देखने पड़ेंगे। वॉट्सएप समूहों में आए दिन बहसबाजी होती ही रहती है। टीवी चैनल हो तो बहस समय से शुरू होकर समय से खत्म हो जाए। इधर तो सुबह से लेकर शाम तक, शाम से लेकर रात तक निरंतर बहस की स्थिति बनी रहती है। कई बार बहस बढ़ते-बढ़ते थाने तक चली जाती है। इस बहस में वे बेचारे भी घसीट लिए जाते हैं, जिन्होंने बीच-बीच में सिर्फ रोने-हंसने के इमोजी भर भेजे होते हैं। ऐसे में यदि आप निष्क्रिय हैं तो बहस के साथ भी और बहस के बाद भी मजे में रहेंगे। आनलाइन सोशल प्लेटफार्म पर आप सक्रिय रहते हैं तो दिल की बात मुंह आने का डर होता है। टीवी डिबेट में स्वतंत्र पत्रकार, राजनीतिक विश्लेषक या जानकार मुंह खोलते ही पकड़ में आ जाते हैं कि उनके मुंह में किस कंपनी की जुबान है। बोलने पर आदमी के दांत ही नहीं, अक्ल की दाढ़ भी दिख जाती है। आप निष्क्रिय हैं तो कभी भी यह आरोप नहीं लग सकता कि आप इधर के है या उधर के! वाट्सएप समूहों में यदि आप सक्रिय रहते हैं तो एडमिन कोई न कोई जिम्मेदारी सौंप देंगे। यह संसार की रीत है। चालू बैल को ही जोता जाता है। उत्सर्जित होती ऊर्जा का हर कोई रूपांतरण करना चाहता है। और फिर जिम्मेदारी मिलते ही आप भी मेंढक तौलने लगेंगे। निष्क्रिय बने रहे तो ही अच्छा। जब से इंटरनेट मीडिया आया है, खूब जन्मदिन मनने लगे हैं। जन्मदिन ही क्यों, पुण्य स्मरण और बरसी भी। आप कहां तक बधाई, शुभकामना और फूल पत्तियां भेजोगे! और फिर उधौ को बधाई दे दी और माधौ की अनदेखी कर दी तो वह देख लूंगा वाले मोड में आ जाएगा। निष्क्रिय हैं तो सावन हरे न भादौ सूखे वाली स्थिति में रहेंगे। यदि आप किसी ग्रुप में तमाशबीन बनकर रहते हैं तो मुद्दा-ए-खास पर आयोजित चर्चा में अपमानित होने और समूह से निकाले जैसी कार्रवाई से हमेशा बचे रहेंगे। लेफ्ट होने जैसी सोशल सुसाइड से भी बचे रहेंगे। माने आग लगे बस्ती में अपन तो रहो मस्ती में। यदि आप वाट्सएप समूहों में निष्क्रिय अवस्था में रहते हैं या कम या बिल्कुल ही नहीं लिखते तो आपकी हिंदी कितनी अच्छी है और आपके विचार कितने श्रेष्ठ हैं, इस पर हमेशा पर्दा पड़ा रहेगा। नतीजतन आपकी छवि एक भयंकर गंभीर और व्यस्त व्यक्ति की बनी रहेगी। विश्वास कीजिए यदि आप वाट्सएप समूह में निष्क्रिय हैं और सिर्फ अमावस-पूनम ही नजर आते हैं तो आपकी सभी को प्रतीक्षा रहेगी। सूरज, चांद, तारों को कौन निहारता है, हेली धूमकेतु को सब नोटिस करते हैं। सास दैनिक गंगा नहाने जाए तो बहू रोज-रोज पैर नहीं पड़ती। आप कहेंगे यह सब तो ठीक है, लेकिन जब कभी अपना या पत्नी का जन्मदिन या वैवाहिक वर्षगांठ जैसा कोई खुशी का प्रसंग आया तब क्या करेंगे? या हमें कोई सम्मान वगैरह मिला तो उस खुशी को किसे बताएंगे? ऐसे तो जंगल में मोर नाचा किसने देखा जैसी बात हो जाएगी! ...तो डोंट वरी, उस दिन सचमुच आनलाइन मीडिया में सक्रिय रह लीजिए।

उन्नाव में आम के बाग के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव, पुलिस मामले की जांच ने जुटी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। थाना हसनगंज के ग्राम छितेपुर में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। आम के बाग के पास स्थित एक खंती में मिले शव की पहचान औरास के अलीपुर मिचलौला गांव निवासी धीरज कुमार के रूप में हुई है। धीरज 24 वर्ष का था और हरिपाल रावत का पुत्र था। रविवार को ग्रामीणों ने खंती में शव देखा और पुलिस को सूचना दी। हसनगंज पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोपहर 12-30 बजे मृतक के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। धीरज अपने परिवार का सबसे बड़ा बेटा था। उसके दो छोटे भाई धर्मेंद्र और अन्ना हैं। उसकी मां का निधन 8 वर्ष पहले हो चुका था। वह घर की सारी जिम्मेदारियां निभा रहा था। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस हत्या, दुर्घटना या अन्य कारणों की संभावना को लेकर जांच कर रही है। मृतक के मामा अवधेश और परिवार के अन्य सदस्य भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे हैं। परिवार ने पुलिस से मामले की गहन जांच की मांग की है।

सीओ सिटी ने पुलिसकर्मियों को बलवा ड्रिल का कराया पूर्वाभ्यास

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

हरदोई। होली और ईद के मददेनजर दंगाई से निपटने के लिए पुलिस कर्मियों ने सीओ सिटी अंकित मिश्रा की मौजूदगी में रिजर्व पुलिस लाइन में अभ्यास किया। सीओ द्वारा बताया गया कि किस स्थिति में किस तरह से दंगा करने वालों से निपटना है। किस तरह से शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखनी है। अभ्यास के दौरान बलवाइयों और पुलिस के बीच में एक मॉक ड्रिल कर भी अभ्यास किया। एक ओर दंगाई और एक पुलिस टीम को रखा गया। दंगाइयों पर पानी बौछार कर उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान पुलिस ने आंसू गैस के गोले, बम आदि का भी अभ्यास किया। दंगा नियंत्रण अभ्यास में थाना प्रभारी, प्रतिसार निरीक्षक सहित पुलिस कर्मी शामिल रहे।

प्रदेश की युवा इकाई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने आलोक जैन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश युवा अध्यक्ष जीतेन्द्र सोनी, प्रदेश युवा महामंत्री योगेंद्र सिंह, संगठन महामंत्री संत मिश्रा और प्रदेश युवा कोषाध्यक्ष संतोष अग्रहरि ने संयुक्त रूप से रविवार को हजरतगंज स्थित संगठन के कार्यालय में प्रदेश युवा कार्यसमिति की घोषणा की। पत्रकारों से बातचीत करते हुए संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि 1 फरवरी को प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा प्रदेश महामंत्री राजेंद्र गुप्ता ने प्रदेश युवा व्यापार मंडल की जिम्मेदारी सौंपते हुए एक माह में प्रदेश कार्यसमिति गठित करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। उसी के तहत यह कार्य समिति बनाई गयी है। प्रदेश युवा अध्यक्ष जितेन्द्र सोनी ने बताया कि साल 2025 से 28 तक यह कार्यसमिति कार्य करेगी। कार्यसमिति में प्रदेश युवा वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर आलोक जैन मयूर (ललितपुर) मनीष त्रिपाठी (कानपुर) अरविंद मिश्रा (मथुरा), प्रदेश युवा उपाध्यक्ष में दीपक मिश्रा (हमीरपुर) दीपेंद्र बुधौलिया (हमीरपुर राठ) गौरवबल्लभ गुप्ता (शाहजहांपुर) अनिल सेठ बनारस, योगेश रखवानी (आगरा) दिलीप गुप्ता (बांदा) उन्नीकृष्णन (कानपुर ग्रामीण) अमित निखरा (उरई), गणेश वासुदेव (एटा) अंकुर श्रीवास्तव, अरुण राय (झांसी), अंबुज दयाल (कानपुर) मोहम्मद अनीस(रायबरेली), अभिनव गुप्ता (कासगंज), देश दीपक यादव (फिरोजाबाद)को चुना गया है। इसके अलावा संयुक्त महामंत्री किशोर बुधरानी (आगरा) अभिजात सिंह (बलिया, अंकुश गुप्ता (बरेली), लक्ष्मण प्रसाद (शाहजहांपुर) को बनाया गया है। युवा महामंत्री योगेन्द्र ने बताया कि इसके अलावा 21 मंत्री एवं 12 संगठन मंत्री बनाए गए हैं। साथ ही पूर्वांचल एवं पश्चिमांचल क्षेत्र के जिलाध्यक्ष एवं जिला महामंत्री भी चुने गए है।

कानपुर रोड किनारे टूटा पड़ा नाला,हादसे की आशंका

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर में शांति नगर के पास कानपुर रोड किनारे करीब डेढ़ माह से टूटा पड़ा नाला स्थानीय लोगों के लिए खतरनाक बना हुआ है। कानपुर रोड से शांति नगर कॉलोनी को जाने वाले रास्ते में गहरे नाले की स्लैब टूट जाने से लोगों को आने जाने में हादसे की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक लखनऊ कानपुर एलिवेटेड एक्सप्रेस वे बना रही पीएनसी कंपनी द्वारा कानपुर रोड चौड़ीकरण के दौरान करीब 6 माह पहले यह 5 फीट गहरा नाला बनाया गया था। लेकिन बीते करीब डेढ़ माह पहले मिट्टी लदे एक डंपर के निकलने से यहां पर नाले की स्लैब टूट गई। करीब 5 फीट गहरे नाले की स्लैब टूट जाने से यहां आने-जाने में कभी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। लखनऊ से कानपुर की ओर जाने वाली पटरी के किनारे एयरपोर्ट रनवे पार करते ही शांति नगर कॉलोनी को जाने वाले पहले रास्ते पर यह नाला टूट पड़ा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बीते दिनों बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का सरोजनीनगर के जयराजपुरी कॉलोनी में अपने परिचित के घर व्यक्तिगत रूप से आगमन हुआ था। तब उस दौरान पीएनसी कर्मचारियों ने एक पुरानी चटाई डालकर टूटे नाले को ढक दिया था। लेकिन बाद में चटाई गायब हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसको लेकर कई बार पीएनसी अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन टूटे नाले को स्थाई रूप से अब तक नहीं ढका गया। जिससे आने-जाने में बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

फाल्गुन महोत्सव पर श्री श्याम मंदिर झरिया से निकली भव्य निसान शोभायात्रा, तीन दिनों तक बहेगी भक्ति की बयार

● सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे सरकार आए हैं..., जैसे भजनों पर खाटू श्याम के भक्त झूम उठे

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। झरिया लाल बजार स्थित श्री श्याम मंदिर खाटू धाम झरिया में तीन दिवसीय श्री फाल्गुन महोत्सव का शुभारंभ भव्य निशान शोभायात्रा के साथ हुआ। 10 हजार से अधिक श्याम भक्त शोभा यात्रा में शामिल हुए। निशान यात्रा से पहले मंदिर के पुजारी कैलाश पांडेय व गोपाल पांडेय द्वारा निसान पूजन कार्यक्रम के बाद श्याम भक्तों ने बारी-बारी से खाटूवाले श्याम की निसान शोभा यात्रा निकाली गयी, यजमान के रूप में धनबाद के प्रेम गोयल व कोलकाता के विकास छापरिया थे, खाटूवाले श्याम को प्रेम गोयल व विकास छापरिया ने पहला निसान अर्पण किया। वहां श्याम भक्तों ने चांदी के 151 व कपड़े के 7551 निसान खाटूवाले श्याम बाबा को अर्पित किये। सभी हाथ में निसान लेकर श्याम भजन गाते नाचते चल रहे थे। श्याम तेरे दर पर आया भक्त, तू ही है भक्तों का सहारा..., कब आएगा मेरा सांवरियां..., मैं हार जाऊं ये हो नहीं सकता..., सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे सरकार आए हैं..., जैसे भजनों पर खाटू श्याम के भक्त झूम उठे। मंदिर द्वार से झरिया शहर का भ्रमण श्याम भक्तों ने किया। शोभा यात्रा की भव्यता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मंदिर से लेकर झरिया बाजार तक श्याम भक्तों की लाइन लगी हुई थी। जगह-जगह सामाजिक संस्था के लोगों ने श्याम भक्तों का शरबत, पानी से स्वागत किया। श्री श्याम मित्र मिलन मंदिर के कार्यकर्ता साथ चल रहे थे। इसके अलावा सैकड़ों लोग शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभा यात्रा लाल बाजार, लक्ष्मनिया मोड़, सब्जी पट्टी, बाटा मोड़, मेन रोड, चार नंबर मोड़, धर्मशाला रोड, चिल्ड्रेन पार्क मोड़ होते हुए निसान लेकर श्याम भक्त झरिया धाम पहुंचे। यहां श्याम भक्तों ने बाबा को निशान अर्पित किए। कोलकाता के प्रसिद्ध कलाकार द्वारा खाटू श्याम मंदिर का अलौकिक श्रृंगार किया गया। बहुत ही भव्य रूप में बाबा के शीश को सजाया गया। शीश का श्रृंगार भक्तों के द्वारा बहुत ही खूबसूरती के साथ किया गया। भक्तों का कहना था कि बाबा के शीश का श्रृंगार देख मन भावविभोर हो उठा है। उनके शीश को इतने बेहतरीन तरीके से सजाया गया है कि उन्हें देखने से मन थकता ही नहीं है। बाबा का श्रृंगार देखने के लिए काफी तादाद में भक्त पहुंचे। आकर्षण का केंद्रबना गंगा आरती झरिया देशबंधु सिनेमा हॉल के समीप व संध्या आरती के समय मंदिर प्रांगण में 9 सदस्य द्वारा विश्व प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ की तर्ज पर गंगा आरती ने लोगों का मन मोह लिया। शंख, घंटी की ध्वनि और मां गंगा की आरती व दीपकों की लौ से उत्पन्न अद्भुत छटा देख श्रद्धालु भक्ति भाव से भर गए। आरती की गूंज से झरिया गुंजायमान हो उठा। विधि-व्यवस्था को ले झरिया पुलिस रही तैनात ⁼ श्री श्याम मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय फाल्गुन महोत्सव के पहले दिन निसान शोभा यात्रा में विधि- व्यवस्था बनाए रखने के लिए झरिया पुलिस सक्रिय रही, शोभा यात्रा के आगे और पीछे के अलावा प्रत्येक चौक-चौराहों पर पुलिस तैयनात थी, झरिया शहर में वाहनों के आवागमन पर लगी रोक भव्य निसान शोभा यात्रा को लेकर रविवार को शहर के आवागमन को वनवे कर दिया गया था, चार नम्बर के पास बैरियर लगाकर यात्री वाहनों के आने-जाने पर रोक लगा दी गयी थी, वहां पुलिस भी तैनात थी. बाटा मोड़ व लक्ष्मीनिया मोड़ के पास भी पुलिस की तैनाती थी. चार घंटे तक झरिया में वनवे ट्रैफिक की व्यवस्था रही. निशान यात्रा को सफल बनाने में मंदिर कमीटी के रघुवीर गोयल ,शिवकुमार अग्रवाल ,नवीन पोद्दार, आलोक लॉयलका, राजेश तुलस्यान ,नरेश अग्रवाल ,धर्म प्रकाश खेतन, विवेक सिंघल ,संदीप कथूरिया ,अभिषेक अग्रवाल, आयुष जलान ,रमेश लोयलका ,कैलाश लोयलका, यशवंत,संजय केडिया आदि मंदिर कमेटी के समस्त सदस्य उपस्थित थे।

गंगा में दो युवतियों सहित तीन डूबे

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

बलिया। जिले में गंगा में डूबने की दो घटनाएं हुईं। पहली घटना दुबहर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत श्रीरामपुर घाट पर रविवार को मुंडन संस्कार में आए एक युवक और दो लड़कियां नहाने के दौरान गहरे पानी में जाने से गंगा नदी में डूब गईं। मौके पर गोताखोर जाल लगाकर तीनों की तलाश करने में लगे हैं। खबर लिखे जाने तक उनका पता नहीं चला है। जानकारी के अनुसार, दुबहर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम छोटकादुबहर निवासी संतोष कुमार वर्मा का बड़ा पुत्र अंकित कुमार वर्मा (19) ग्राम अड़रा के किसी रिश्तेदार के मुंडन में शिवरामपुर घाट पर गया था। इस दौरान अपने मित्रों के साथ गंगा नदी में स्नान कर रहा था। इसी दौरान उसके साथ तीन लड़के गहरे पानी में डूबने लगे। तीनों को बचाने के लिए नाव वालों ने काफी प्रयास किया, जिसमें दो को बचा लिया गया। अंकित का कुछ अता पता नहीं चल पाया। घटना की जानकारी होते ही पूरे गांव सहित क्षेत्र में हाहाकार मच गया।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में प्रगति एवं सतत विकास को सशक्त बनाना, जो विकसित भारत (एपीएम 2025) की ओर मार्गदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सी.आई.पी.ई.टी) एपीएम 2025 का दूसरा संस्करण, लखनऊ में आयोजित हुआ, जो एक बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम था, जिसमें देशभर से प्रमुख विशेषज्ञ, विद्वान और पेशेवर एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण व्याख्यान, एक पूर्व छात्रों की बैठक और एक विशिष्ट पैनल चर्चा हुई, जो स्थिरता, नवाचार और पेट्रोकेमिकल उद्योग के भविष्य पर केंद्रित थी। कार्यक्रम की शुरुआत प्रमुख विशेषज्ञ और प्रोफेसरों द्वारा दिए गए मुल्यवान व्याख्यानों से हुई, जिनमें पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में कार्बन प्रबंधन, नेट जीरो की ओर एक दृष्टिकोण, विकसित भारत, 2047 में हरित, स्वच्छ और सतत रासायनिक उदयोग के लिए मार्ग, स्थिर भविष्य निर्माण में ट्राइबोलॉजी की भूमिका, दंत चिकित्सा में 3 डी प्रिंटिंग की प्रगति सम्भावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी। व्याख्यानों के बाद, सीपेट लखनऊ में एक पूर्व छात्रों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें दीपक मिश्रा, संयुक्त सचिव, रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग, भारत सरकार और प्रोफेसर (डॉ.) शिशिर सिन्हा, निदेशक जनरल, सीपेट की उपस्थिति में यह आयोजन हुआ। इस बैठक में सीपेट के पूर्व छात्रो को एकत्र होने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिला, जिसमें विभिन्न उदयोगों से आए कई उपस्थितजनों ने अपने अकादमिक अनुभवो को व्यावसायिक यात्रा में कैसे समाहित किया, इस पर बहमूल्य विचार व्यक्त किए। शाम को एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसका संचालन दीपक मिश्रा, संयुक्त सचिव, पेट्रोकेमिकल विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार ने किया। इस पैनल में शामिल विशेषज्ञों में पदमभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, हिमालयन एनवायरनमेंटल स्टडीज और कंजरवेशन ऑर्गनाइजेशन के संस्थापक, पद्मश्री प्रोफेसर अशुतोग शर्मा, आईआईटी कानपुर, पदमश्री प्रोफेसर जी.डी. यादव, एमेरिटस प्रोफेसर ऑफ एमीनेन्स, आईटीसी मुंबई, प्रोफेसर मनोज चौधरी उपकुलपति, गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी), प्रोफेसर विनय पाठक, उपकुलपति, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, प्रोफेसर के.के. पंत, निदेशक, यू.टी. रुड़की। पैनलिस्टों ने पेट्रोकेमिकल उदयोगों में स्थिरता और नवाचार के भविष्य पर विचार किया और यह बताया कि अकादमिक संस्थानो का विकास और अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान है।

बिजनौर पुलिस ने चोरी करने वाले दो शातिर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र सेंगर कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा चलाये जा रहे अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के विरुद्र कार्यवाही के क्रम में पुलिस उपायुक्त दक्षिणी जोन निपुण अग्रवाल व अपर पुलिस उपायुक्त अमित कुमार के कुशल निर्देशन में व सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर विकास कुमार पाण्डेय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राणा थाना बिजनौर पुलिस टीम ने अमरेन्द्र रावत पुत्र रामशंकर रावत निवासी कमलापुर थाना बिजनौर जनपद लखनऊ उम्र 18 वर्ष जो कि फरार चल रहा था जिसे आज पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। बीते कई दिनों थाना क्षेत्र बिजनौर के स्पर्श पैराडाइज रहीमाबाद में बादी विवेक जोशी पुत्र नारायण दत्त जोशी नि. 41/212 मुन्नी लाल बिल्डिंग नरही थाना हजरतगंज जनपद लखनऊ के घर पर अज्ञात चोरों द्वारा ताला तोड़कर घर से दस हजार रुपये, दो सोने की अंगूठी, दो चांदी की अंगूठी, 43 इंच एलजी का टीबी व अन्य घरेलू सामान चोरी का गयी थी जिस पर बादी द्वारा दी गयी तहरीर के अनुसार अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया था। जिसमें धाना बिजनौर की पुलिस टीम द्वारा कुछ दिन पूर्व दो चोर सुहैल अहमद पुत्र नफीस नि. कटरा मोहल्ला कस्बा व थाना बिजनौर लखनऊ उम्र करीब 20 वर्ष तथा कृष्णा रावत पुत्र धर्मेन्द्र रावत निवासी जे.बी. स्कूल बिजनौर के पास कस्बा व थाना बिजनौर जनपद लखनऊ उम्र करीब 18 वर्ष के कब्जे से चोरी किए गये एल जी टीबी बरामद कर जेल भेजा गया था तथा शेष चोरी का सामान इनके साथी अमरेन्द्र रावत पुत्र रामशंकर रावत निवासी कमलापुर थाना बिजनौर जनपद लखनऊ उम्र 18 वर्ष व जैद पुत्र आफताब निवासी पटवारी मोहल्ला कस्बा व थाना बिजनौर उम्र 20 वर्ष के पास होना बताया था जिसकी तलाश थी कि आज रविवार को अभियुक्त अमरेन्द्र रावत पुत्र रामशंकर रावत निवासी कमलापुर थाना बिजनौर जनपद लखनऊ उम्र 18 वर्ष को ईदगाह के पास से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। अभियुक्त अमरेन्द्र रावत पूर्व में भी कई चोरी के मुकदमे में जेल जा चुका है। यह एक अभ्यस्त चोर है। शेष फरार अभियुक्त जैद पुत्र आफताब की गिरफ्तारी के प्रयास जारी है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताहः रैली के साथ हुआ फिटनेस सप्ताह का समापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह का समापन फिटनेस रैली के साथ हो गया। एक सप्ताह तक चलने वाला यह आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण, लखनऊ के सहयोग से महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की टीम द्वारा किया गया। समापन समारोह की शुरुआत महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने हरी झंडी दिखाकर फिटनेस रैली के शुभारंभ से की। रैली में सैकड़ों छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रैली नवयुग महाविद्यालय से प्रारंभ होकर राजेंद्र नगर, नाका थाना, रकाबगंज रोड होते हुए पुन- महाविद्यालय परिसर में समाप्त हुई। रैली समाप्ति के दौरान हुइ सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि भारतीय खेल प्राधिकरण के सहायक निदेशक मनीष कुमार ने कहा कि एक खिलाड़ी अपने देश के लिए अनेक त्याग करता है। तब जाकर वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतता है, तो न केवल उसका बल्कि पूरे भारत का गौरव बढ़ता है। उन्होंने छात्राओं को खेलों एवं योगाभ्यास को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि वर्षा वर्मा ने महिलाओं की सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता पर बल देते हुए विभिन्न महिला हेल्पलाइन नंबरों -1090 (वूमेन हेल्पलाइन), 1092, 118, एवं घरेलू उत्पीड़न सहायता केन्द्रों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को आत्मरक्षा एवं जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

टेंट हाउस मैसर्स कोजी इवेन्ट में लगी भीषण आग

❑ फायर सर्विस गोरखपुर की 05 गाड़ियों की मदद से लगभग 02 घंटे में आग को पूर्ण रूप से पाया काबू

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

गोरखपुर। फायर स्टेशन गोलघर गोरखपुर को, गोरखपुर के थाना शाहपुर के अन्तर्गत शिवपुर शहबाजगंज सेक्टर 03 लेन 8 व 10 में टेन्ट हाउस के गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। यह टेन्ट हाउस ÷मैसर्स कोजी इवेन्ट÷ के नाम से संचालित है। सीएफओ गोरखपुर जसवीर सिंह के पर्यवेक्षण में तथा अग्निशमन अधिकारी गोलघर गोरखपुर शान्तनु कुमार यादव के नेतृत्व में फायर सर्विस गोरखपुर की 05 गाड़ियों की मदद से लगभग 02 घंटे में आग को पूर्ण रूप से बूझा दिया गया। घटनास्थल के बगल एक और तीन मंजिले भवन में टेन्ट हाउस का गोदाम था जिसे सुरक्षित बचा लिया गया। फायर सर्विस गोरखपुर की तत्परता व सूझबूझ के कारण, आग को यथाशीघ्र नियंत्रण कर लेने से आसपास के आवासीय घरों में फैलने से रोक लिया गया, इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुआ तथा स्थानीय लोगों द्वारा फायर सर्विस गोरखपुर का भूरि-भूरि प्रशंसा किया गया। इस अग्निकांड में फायर सर्विस गोरखपुर के सरोज कुमार सिंह, सत्यवान सिंह, आशीष नन्दन, अभिषेक सिंह, राजकुमार यादव, अभिलाष सिंह, राकेश कुमार मद्धेशिया, मुकेश यादव, जितेन्द्र कुमार, धन्नजय तिवारी, शाम्भू सिंह, जयराम गौड़, हीरामणि, राजकुमार यादव व राहुल कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

पत्रकार राघवेन्द्र बाजपेई की हत्या चौथे स्तंभ पर हमला है, जो असहनीय-आईरा

❑ दोषियों को सख्त सजा, परिजनो को एक करोड का मुआवजा और प्रदेश मे पत्रकार सुरक्षा कानून अविलंब किया जाय लागू - आईरा उत्तर प्रदेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता ब्यूरो

लखनऊ। सीतापुर मे पत्रकार राघवेन्द्र बाजपेई की हत्या पर प्रदेश भर के पत्रकारो मे आक्रोश है।पत्रकारों पर आए दिन हमले हो रहे है उनकी हत्या की जा रही है।शासन और सरकार भी तमाम घटनाओं के बावजूद पत्रकारों की सुरक्षा नहीं कर पा रही है।यूपी में पत्रकारो पर हमले एव उनको धमकाने समाचार संकलन करते समय प्रशास्निक उतपीडन की घटनाओ की बाढ सी आ गयी है। ग्रासरूट पत्रकारो ग्राम तहसील रिपोर्टरो की तो झोडिए अब तो बडे बैनरो के पत्रकारो को भी निशाना बनाया जा रहा है पत्रकार राघवेन्द्र बाजपेई की हत्या लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला है जिसको किसी भी हाल मे बर्दाश्त नही किया जा सकता ।उक्त वक्तव्य आज राजधानी लखनऊ में पत्रकारो के सबसे बडे संगठन आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर्स एसोसिएशन आईरा की आपातकालीन बैठक में पत्रकारों ने एक स्वर मे कहे।बैठक में पत्रकार स्व राघवेन्द्र बाजपेई की हत्या पर दुख व्यक्त किया गया।आईरा उत्तर प्रदेश ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पत्रकार राघवेन्द्र बाजपेई के हतयारों को कडी सजा, पीडित परिवार को एक करोड का मुआवजा तथा प्रदेश में अविलंब पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की।पत्रकारों की सुरक्षा व अन्य प्रमुख मुद्दों को लेकर जल्द ही आईरा संगठन सरकार को ज्ञापन सौंपेगा।इस दौरान बैठक में प्रदेश अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार ए एस खान ने कहा कि पत्रकारो की हत्या उनके साथ मारपीट तथा समाचार संकलन मे प्रशासनिक बाधाओं की घटनाए निरंतर बढती जा रही है, भ्रष्ट अधिकारियों कर्मचारियों से संबंधित समाचार के प्रकाशन पर पत्रकारो को टार्चर करने उन पर अपने सूत्रो के नाम उजागर करने का दबाव बनाया जाना आम बात हो गयी है। बैठक मे प्रदेश अध्यक्ष ए एस खान, वरिश्ठ उपाध्यक्ष रोहिताश मिश्रा, प्रदेश महासचिव नीरज उपाध्याय, प्रदेश सचिव अशोक सिंह, कोषाध्यक्ष जमाल मिर्जा, संगठन मंत्री अनूप सिंह लखनऊ नगर अध्यक्ष नवीन वर्मा लखनऊ नगर उपाध्यक्ष अंबिका मिश्रा आदि आईरा उत्तर प्रदेश संगठन से जुडे पत्रकार उपस्थित रहे ।

फर्जी डॉक्टर की पोल खोलने पर महिला ने की चप्पलों से पिटाई माल थाने में अफरातफरी

● किसान यूनियन के नेताओं संग सैकड़ो महिलाओं ने किया थाने का घेराव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक दिन पूर्व की हुई घटना के बाद आज महिलाओं ने किया थाने का घेराव सैकड़ो महिलाएं लखनऊ के माल थाने पर कर रही है प्रदर्शन लखनऊ के माल क्षेत्र में शनिवार को एक किसान कार्यक्रम के दौरान उस समय हंगामा मच गया जब एक महिला ने मंच पर बैठे एक कथित डॉक्टर को चप्पलों से पीटना शुरू कर दिया। पहले लोग कुछ समझ नहीं पाए, लेकिन बाद में महिला ने आरोप लगाया कि फर्जी डॉक्टर के गलत इलाज के कारण उसका तीन माह का गर्भपात हो गया। महिला की इस हरकत से पूरे समारोह में अफरातफरी मच गई। किसान नेता बनकर बोल रहा था डॉक्टर, महिला ने मंच पर ही कर दी धुनाई घटना के समय कार्यक्रम में एक दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे। कथित डॉक्टर किसान नेता बनकर महिलाओं के मुद्दों पर बोल रहा था, तभी पीड़िता वहां पहुंची और उसे चप्पलों से पीटने लगी। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी के पास कोई मेडिकल डिग्री नहीं है, फिर भी वह डॉक्टर बनकर लोगों की जिंदगी से खेल रहा है। महिला ने दर्ज कराई शिकायत, डिग्री की जांच की मांग महिला ने माल थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उसने आरोप लगाया कि आरोपी ने न केवल गलत इलाज किया, बल्कि गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी। महिला ने आरोपी के अस्पताल और डिग्री की जांच कराने की मांग की है। महिलाओं व किसान यूनियन के नेताओं ने किया थाने का घेराव घटना के एक दिन बाद आज रविवार को भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) लोकतांत्रिक संगठन के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाएं और किसान नेता माल थाने का घेराव कर रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश सिंह चौहान और जिला अध्यक्ष अतुल की अगुवाई में प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी डॉक्टर पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। माल थाना प्रभारी आनंद दिवेदी मामले को दबाते नजर आ रहे है, माल थाना प्रभारी आनंद से जब इस विषय मे पूछा गया तो उन्होंने बताया की किसी भी प्रकार का कोई प्रदर्शन नही चल रहा है महिलाएं किसी कार्यक्रम से वापस लौट रही थी तो कुछ समय के लिए थाने पर आई थी।

पुरानी पेंशन के विकल्प पत्रों को शासन तक पहुंचाने के लिए शिक्षकों से मांगी जा रही रिश्वत: महेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष, शिक्षक प्रकोष्ठ

⇨ आपत्तियों का निराकरण करने के बावजूद भी अधिकांश शिक्षकों का दूसरी सूची में भी नहीं शामिल हुआ नाम: महेंद्र सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। पुरानी पेंशन के विकल्प पत्रों को शासन तक पहुंचाने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय लखनऊ शिक्षकों से धन उगाई करने में जुटा हुआ है, यह कहना है आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह का उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय लखनऊ के भ्रष्टाचार को लेकर सवालिया निशान खड़े किए हैं और शिक्षकों से हो रही घूसखोरी पर नाराजगी व्यक्त की । प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने कहा 28 मार्च 2005 से पहले के विज्ञापन से नियुक्ति पाने वाले शिक्षक कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने का शासनादेश के अंतर्गत अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों से पुरानी पेंशन के लिए विकल्प पत्र भरकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में जमा करने को कहा गया संबधित शिक्षक अपने विकल्प पत्र भरकर जिला विद्यालय निरीक्षक में जमा करा दिए जिसमें कुछ शिक्षकों का नाम पुरानी पेंशन का लाभ पाने की जारी प्रथम सूची में शामिल हो गया लेकिन अधिकांश शिक्षकों का नाम छोड़ दिया गया . डीआईओएस कार्यालय द्वारा कई शिक्षकों के विकल्प पत्रों पर आपत्ति लगाते हुए विद्यालय वापस भेज दिए गए इसके बाद शिक्षकों ने लगाई गईं आपत्तियों का निराकरण करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य के माध्यम से जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में विकल्प पत्र जमा कर दिए गए थे। आपत्तियों का निराकरण के बावजूद भी पुरानी पेंशन का लाभ पाने वाले कई शिक्षकों के नाम जारी दूसरी सूची से गायब हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन के विकल्प पत्र शासन को भेजे जाने के नाम पर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में शिक्षकों को रिश्वत देने के लिए मजबूर किया जा रहा है । फॉर्म 16 से लेकर हर छोटे छोटे काम के लिए शिक्षकों से धन उगाही की जाती है। जानबूझकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय द्वारा शिक्षकों के विकल्प पत्रों को रोका जा रहा है। डीआईओएस लखनऊ की इस कार्यशैली से शिक्षकों में नाराजगी है 7 महेंद्र सिंह ने मांग की है कि सरकार ऐसी पारदर्शी व्यवस्था करें जिससे शिक्षा विभाग कार्यालयों में घूसखोरी बंद हो और किसी भी शिक्षक का आर्थिक उत्पीड़न ना हो।

खाना बनाते समय सिलेंडर में आग लगने से सिलेंडर हुआ ब्लास्ट, छत व दीवार गिरी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बंथरा इलाके में रविवार सुबह खाना बनाते समय छोटे सिलेंडर में अचानक आग लगने से सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। इस हादसे में मकान की छत व दीवारें गिर गई। वहीं धमाके से आसपास के लोग दहशत में आकर घरों से बाहर भाग खड़े हुए। बंथरा के अंबेडकर नगर, शिवपुरा निवासी मजदूर अजय गौतम की पत्नी सोनम गौतम (34) रविवार सुबह करीब 7ः30 बजे अपने घर में 5 किलो वाले छोटे सिलेंडर से खाना बना रही थी और उसके तीन छोटे-छोटे मासूम बच्चे आंगन में खेल रहे थे। जबकि अजय शौच के लिए घर से बाहर गया था। खाना बनाते समय सिलेंडर में अचानक आग लग गई। सोनम ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हुई। जिसके बाद वह अपने बच्चों को लेकर आनन फानन घर के बाहर भाग खड़ी हुई और शोर मचाने लगी। लेकिन आसपास के लोग जब तक दौड़े तब तक सिलेंडर में तेज धमाका हो गया। सिलेंडर में तेज धमाके से उसके कमरे की छत और दीवारें गिर गई। उधर धमाके की वजह से आसपास के लोग दहशत में आ गए और सभी लोग अपने घरों से बाहर निकल कर भाग खड़े हुए। बताते हैं कि मकान काफी पुराना था। इस घटना में मजदूर अजय का काफी नुकसान हो गया। लेकिन गनीमत यह कि सोनम अपने बच्चों को लेकर बाहर भाग निकली। नहीं तो बड़ी घटना हो सकती थी। फिलहाल हादसे में कोई जानहानि नहीं हुई। वहीं बाद में इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और वापस चली गई। उधर एफएसओ सरोजनीनगर ने ऐसी किसी सूचना से इनकार किया है। उनका कहना है कि ऐसी कोई सूचना नहीं मिली है।

वक्फ़ विधेयक पर सरकार ने मुसलमानों की आपत्तियों को किया नजरअंदाज: मौलाना यासूब अब्बास

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड और देशभर के मुस्लिम संगठनों ने वक्फ़ विधेयक को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। इस संबंध में पांच करोड़ से अधिक ई-मेल भेजे गए, तर्कपूर्ण दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए, और विधेयक की हर धारा का विस्तार से विश्लेषण किया गया, बावजूद इसके, सरकार ने इन आपत्तियों पर विचार नहीं किया और विधेयक को और अधिक सख्त बना दिया।शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा,लोकतंत्र की प्रक्रिया में सभी हितधारकों से संवाद करना आवश्यक होता है, लेकिन इस विधेयक के मामले में ऐसा नहीं हुआ। पहले जब भी वक्फ़ कानून में संशोधन हुआ, मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों से परामर्श लिया गया था। लेकिन इस बार हमें विश्वास में नहीं लिया गया,जो चिंताजनक है।विपक्षी दलों द्वारा कड़ी आलोचना के बाद सरकार ने 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया, लेकिन इसमें सत्तारूढ़ दल का बहुमत था। समिति ने मुस्लिम समुदाय द्वारा प्रस्तुत तर्कों और सुझावों को स्वीकार नहीं किया और विधेयक को और अधिक कठोर बना दिया। विपक्षी सांसदों द्वारा सुझाए गए 44 संशोधनों को भी पूरी तरह अस्वीकार कर दिया गया।मौलाना यासूब अब्बास ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हमारी उम्मीद थी कि सरकार हमारी आपत्तियों पर विचार करेगी और संतुलित समाधान निकालेगी। लेकिन हमारे सुझावों को नजरअंदाज कर दिया गया, जिससे मुस्लिम समुदाय में चिंता बढ़ी है।शिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने इस विधेयक को मुस्लिम समुदाय के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वक्फ़ संपत्तियों का संरक्षण सभी के हित में है। मौलाना यासूब अब्बास ने कहा, 卐हमारी मांग सिर्फ इतनी है कि वक्फ़ संपत्तियों को संरक्षित रखा जाए और कोई भी ऐसा कानून न बनाया जाए जिससे समुदाय की धार्मिक और सामाजिक गतिविधियाँ प्रभावित हों।बोर्ड का मानना है कि इस विधेयक के प्रभाव से मुस्लिम समुदाय को आर्थिक रूप से नुकसान हो सकता है। हम उम्मीद करते हैं कि सरकार इस पर पुनर्विचार करेगी और हमारे प्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर उचित समाधान निकालेगी,मौलाना यासूब अब्बास ने कहा।शिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने सरकार के सहयोगी दलों से भी अपील की है कि वे इस विषय पर विचार करें और मुस्लिम समुदाय की चिंताओं को समझने का प्रयास करें। मौलाना यासूब अब्बास ने कहा,हम सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध करते हैं कि वे निष्पक्ष रूप से इस विधेयक की समीक्षा करें और न्यायोचित निर्णय लेने में सरकार का मार्गदर्शन करें।शिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि मुस्लिम समुदाय शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखेगा और उम्मीद करेगा कि सरकार इस विषय पर खुलकर चर्चा करे। मौलाना यासूब अब्बास ने कहा, हम चाहते हैं कि इस विधेयक को लेकर पारदर्शी संवाद हो और मुस्लिम समुदाय की चिंताओं को गंभीरता से सुना जाए। हमारा उद्देश्य केवल न्यायपूर्ण समाधान प्राप्त करना है।शिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने इस विषय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाने की योजना बनाई है और जल्द ही आगे की रणनीति तय करेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खाकर युवक ने की आत्महत्या

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

मृतक

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक उन्नाव जिले के पुरवा थाना अंतर्गत पौंगहा गांव निवासी गया प्रसाद पाल का बेटा अमर सिंह पाल (24) बंथरा में हनुमान मंदिर के पास पिछले दो माह से किराए का कमरा लेकर अकेले ही रहता था। अमर सिंह सरोजनीनगर के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक दवा कंपनी में काम करता था। शनिवार सुबह करीब 10 बजे अमर सिंह ने किसी बात को लेकर अपने कमरे पर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ी तो वह कमरे से बाहर भागा। लेकिन उसके मुंह से झाग निकलता देख आसपास के लोगों ने इसकी सूचना अमर सिंह के परिजनों को दी। परिजनों से जानकारी पाकर पहुंचे सहिजनपुर गांव में रहने वाले उसके रिश्तेदार ने अमर सिंह को आनन फानन सरोजनीनगर स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां रविवार सुबह इलाज के दौरान अमर सिंह की मौत हो गई। बाद में सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि अमर सिंह ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण पता नहीं चल सका है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। इसके बाद ही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

गुरु तेग बहादुर जी के 350 साल शहादत दिवस को समर्पित सहज पाठों की हुई आरंभता

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वोत्तम बलिदान देने वाले नौंवे गुरु साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350 वे शहादत दिवस को समर्पित करते हुए गुरुद्वारा गुरु रामदास जी आर्य नगर लखनऊ में सहज पाठों की आरंभता संगतों द्वारा की गई। लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रवक्ता सतपाल सिंह मीत ने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी के 350 वे शहीदी वर्ष में केंद्रीय सिंह सभा गुरुद्वारा आलमबाग द्वारा पूरे प्रदेश में 11000 सहज पाठों की आरंभता का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके लिए केंद्रीय सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार निर्मल सिंह पूरे प्रदेश में गुरुद्वारों में जाकर संगतो को सहज पाठ करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं ।जिसके अंतर्गत रविवार को गुरुद्वारा गुरु रामदास जी में संगतों द्वारा सहज पाठों की आरंभता की गई। गुरुद्वारा साहब के मुख्य सेवादार स0 तेजिंदर सिंह ने बताया कि सहज पाठ करने के लिए संगतों को हिंदी और पंजाबी में सैचियां निशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी जिसकी सेवा केंद्रीय सिंह सभा गुरुद्वारा आलमबाग द्वारा करवाई गई हैं ।इसी वर्ष के नवंबर माह में गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350 वें शहीदी दिवस मनाते हुए पूरे प्रदेश की संगतों द्वारा सामूहिक रूप से सहज पाठों की समाप्ति करके गुरु साहब को अपनी श्रद्धांजलि दी जाएगी।

रमज़ानुल मुबारक में धर्म को समझने और आध्यात्मिक विकास का सर्वोत्तम अवसर - मौलाना सय्यद हसनैन बाक़री

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

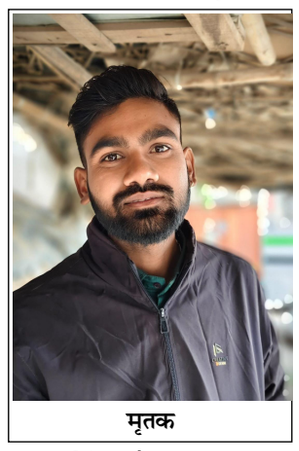

लखनऊ। रविवार को दीन और हम卐 शॉर्ट टर्म धार्मिक कक्षाओं का सिलसिला जारी है। इसी श्रृंखला की एक कड़ी के तहत अलमास हॉल के लेवल 2 में पढ़ा रहे शिक्षक मौलाना सय्यद हसनैन बाक़री साहब ने छात्रों को रमज़ानुल मुबारक की विशेषताओं और महत्व से अवगत कराते हुए कहाः 卐रमज़ान का महीना रहमत, बरकत और मग़फ़िरत (क्षमा) का महीना है। इस महीने में मुसलमानों की विभिन्न व्यक्तिगत और सामाजिक ज़िम्मेदारियाँ होती हैं। व्यक्तिगत ज़िम्मेदारियाँ जैसे रोज़ा रखना, नमाज़ पढ़ना, क़ुरआन की तिलावत (पाठ), अल्लाह से रूहानी संवाद; वहीं दूसरी ओर कुछ सामाजिक ज़िम्मेदारियाँ जैसे सदक़ा देना, मोमिनीन को भोजन कराना, इफ़्तार का प्रबंध करना भी हमारे कंधों पर होती हैं। इन कक्षाओं का उद्देश्य युवाओं को धर्म के प्रति समझ बढ़ाने और उन्हें अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना है। यह कक्षाएं शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित की जा रही हैंः अलमास हॉल में 2 कक्षाएं गोल्डन पैलेस में 2 कक्षाएं,बाग़ सकीना (स.) मेहताब बाग़ में 1 कक्षा,मिलन हॉल में 1 कक्षा,जो लोग इन कक्षाओं में भाग लेने के इच्छुक हैं, वे छात्र या मेहमान के रूप में कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं। ये कक्षाएं ऐनुल हयात ट्रस्ट की तरफ से आयोजित की जाती हैं और हैदरी एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी, तंज़ील अकादमी, जमातुज़ ज़हरा और ताहा फाउंडेशन के सहयोग से की जा रही हैं। ज्ञात रहे कि ये कक्षाएं 2012 में शुरू हुई थीं और अब इनका नया दौर जारी है।

अइम्मा ए जमा अत के साथ तालीमी और तब्लीग़ी बैठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। इमामबड़ा क़स्र-ए-हुसैनी,बिल्लौच पुरा लखनऊ में मरकज़-ए-तालीम ओ तबियत ट्रस्ट के शोबे फ़िक़्ह ओ फ़क़ाहत ने तुल्लाब-ए-उलूम-ए-दीनी और पेश इमामों के लिए एक तालीमी और तरबियती कैंप का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अलग-अलग उलमा-ए-कीराम ने अपने तालीमी और तरबियती तजुर्बों के ज़रिये तुल्लाब और पेश इमाम तुल्लाब को उनके इल्मी मैदान में आमदगी का शौक दिलाया। इस मौके पर तुल्लाब की तरफ से तालीम के प्रति गहरी रुचि और जज़्बा देखने को मिला। रमज़ान से शुरू होने वाले बयानात में मौलाना इकबाल हैदर हैदरी ने नहजुल बलाग़ा में अज़मत-ए-क़ुरान के प्रभावशाली बयानात पेश किए। उन्होंने हज़रत अली (अ.स.) के फरमान को उद्धृत करते हुए कहा कि 卐क़ुरान, मुकम्मल नूर है卐, और इस नूर को दुनिया तक पहुँचाने की ज़रूरत है, ताकि हम उसके पैग़ाम और रौशनी से लाभ उठा सकें।इसके बाद मौलाना अशरफ अली गरवी ने 卐जम ए सलातैन卐 और मसह (पैर धोने) से संबंधित फ़िक़्ह-ए-इस्लामी के विभिन्न नज़रीयात को क़ुरान और हदीस की रोशनी में बयान किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि फ़िक़्ही मसाइल में इख़्तिलाफ़ हमारे दरमियान इख़्तिलाफ़ का कारण नहीं होना चाहिए, बल्कि हमें इल्मी बहसों के ज़रिये अपनी इल्मी सतह को और ऊँचा करना चाहिए।कल के लेक्चर में मौलाना पयाम हैदर साहब ने इज्तेहाद और तक़लीद के विषय को प्रभावशाली ढंग से पेश किया। उन्होंने कहा कि इमाम-ए-मासूम के ज़माने में तक़लीद की ज़रूरत नहीं थी, क्योंकि लोग रसूल (स.व.) और इमाम मासूमीन के अमल को देखकर अमल करते थे। लेकिन आज जब इमाम ग़ैबत में हैं, तो हमें उन हुक्मों को जानने के लिए कोई ऐसी दलील चाहिए जो हमें यकीन दिला सके कि यह वही हुक्म है जो मासूम (अ.स.) ने फरमाया था। इस वजह से, तक़लीद की प्रक्रिया में हम उलेमाओं की तरफ रुझू करते हैं, जिन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी इस इल्म को सीखा है, और उनके द्वारा बताए गए हुक्मों पर अमल करते हैं।आखिर में, मौलाना ने मुल्क की सलामती के लिए दुआ की और क्लास को समाप्त किया।

ग्रामीण बालिकाओं के हौसले को सलाम

❑हम जोश बॉक्सिंग अकादमी, मलिहाबाद में बालिकाओं एवं उनकी माताओं का सम्मान समारोह संपन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

मलिहाबाद। मलिहाबाद में ह्यूमन यूनिटी मूवमेंट,हम% लखनऊ के तत्वावधान में जोश बॉक्सिंग अकादमी, में एक विशेष सम्मान समारोह- %मां तुझे सलाम% का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उन बालिकाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बॉक्सिंग प्रतियोगिताओं में पदक हासिल किए हैं।कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि सिर्फ खिलाड़ियों को ही नहीं, बल्कि उनकी माताओं को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने सामाजिक एवं पारिवारिक चुनौतियों के बावजूद अपनी बेटियों को बॉक्सिंग जैसे खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीण परिवेश में रहने के बावजूद इन माताओं ने लंबी दूरी और कई अवरोधों को पार कर अपनी बेटियों को इस मुकाम तक पहुँचाया।कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. संगीता शर्मा के संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने बालिकाओं की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से कांति, नूर, मोनिका, कुमुद, रिया और अन्य खिलाड़ियों का जिक्र किया जिन्होंने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।मुख्य अतिथि डॉ. शुचिता चतुर्वेदी, सदस्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, उत्तर प्रदेश ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण लड़कियों में जो जुनून और साहस देखने को मिलता है, वह शहरी लड़कियों में दुर्लभ है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि गाँव की लड़कियाँ न केवल ट्रैक्टर चलाती हैं बल्कि खेतों में भी कड़ी मेहनत करती हैं, जिससे उनमें अद्भुत सहनशक्ति और आत्मविश्वास विकसित होता है। इस मौके पर बालिकाओं ने अपने चुनौतियों का भी उल्लेख किया।कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं अभिभावकों ने भाग लिया। सभी ने इस बात पर सहमति जताई कि खेलों में बालिकाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजनों की निरंतर आवश्यकता है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में सुनीता मिश्रा, सामाजिक कार्यकर्ता, और डॉ. असमत मलिहाबादी, शिक्षाविद एवं शायर उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी सम्मानित बालिकाओं एवं उनकी माताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। यह आयोजन ग्रामीण क्षेत्र में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।ह्यूमन यूनिटी मूवमेंट, लखनऊ इस पहल के माध्यम से समाज में खेल और शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के भारतीय मेधावी छात्र रियाज़ुल के शोध से प्रवाहित हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। विश्वविख्यात कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में भारत के मेधावी युवा आर्किटेक्ट और शहरी डिज़ाइनर, चिवनिंग स्कॉलर रियाज़ुल समद बिन मोहम्मद ने चिवनिंग हाउस, केंट, इंग्लैंड में आयोजित चिवनिंग स्कॉलर मीट-अप कार्यक्रम में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और यूके के विदेश मंत्री डेविड लैमी का स्वागत किया। यह कार्यक्रम विदेश मंत्री एस. जयशंकर की यूके द्विपक्षीय यात्रा का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य भारत-यूके संबंधों का अकादमिक सहयोग के माध्यम से मज़बूत करना था। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में एमफ़िल व शोध कर रहे होनहार युवा छात्र रियाज़ुल समद का शोध कार्य सतत शहरी योजना (Sustainable Urban Planning) और जलवायु परिवर्तन शमन (Climate Change Mitigation) पर केंद्रित है। उन्होंने अपने शोध प्रेजेंटेशन भाषण में बताया कि उनका शोध कार्य प्राकृतिक संसाधनों को सतत शहरी विकास में एकीकृत करने की आवश्यकता पर ज़ोर देता है, विशेष रूप से तेज़ी से विकसित हो रहे भारत जैसे देशों के लिए जो भविष्य में सतत शहरों का निर्माण करना चाहते हैं। रियाज़ुल समद ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि भारत को 2047 से पहले विकसित राष्ट्र और विश्व के सुपरपावर देशों में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, ÷सात समंदर पार इंग्लैंड में हम गर्व से यह देख रहे हैं कि हमारे देश के मेधावी छात्र रियाज़ुल समद कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में शोध कार्य कर रहे हैं और अन्य चिवनिंग स्कॉलर अपने कार्यों से भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। कार्यक्रम के समापन पर यूके के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि रियाज़ुल समद का वैश्विक शोध कार्य और अन्य चिवनिंग स्कॉलर्स का कार्य भारत और इंग्लैंड के बीच सतत विकास और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को हल करने में सेतू का कार्य करेगा। रियाज़ुल समद न केवल अपने शोध कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में छात्र गतिविधियों में भी कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर रहे हैं, जैसेः यूनिवर्सिटी एंबेसडर- पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी,पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम प्रतिनिधि - MAUS आर्किटेक्चर विभाग, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी,ग्रीन ऑफिसर - कैम्ब्रिज जीरो लैब, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, डिप्टी रिटर्निंग ऑफिसर - कैम्ब्रिज यूनियन,प्रोडक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर इंचार्ज - क्वींस कॉलेज, कैम्ब्रिज,इवेंट्स ऑफिसर - MCR समिति, क्वींस कॉलेज पर्यावरण और स्थिरता अधिकारी - MCR समिति, क्वींस कॉलेज रियाज़ुल समद ने अपने शोध कार्यों को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भी साझा किया है, जैसे AVICOM वार्षिक सम्मेलन, अक्तूबर 2024, ट्यूरिन, इटली में, जहां उन्होंने डिजिटल संग्रहालयों पर अपने शोध पेपर को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में एडमिशन और शोध कार्य चिवनिंग स्कॉलरशिप के बिना संभव नहीं था, यह वाकई रोमांचक है।रियाज़ुल समद की यात्रा, जो भारत के एक छोटे से ऐतिहासिक कस्बे हज़रत अमीर खुसरो की जन्मस्थली पटियाली से शुरू होकर कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी तक पहुंची, शिक्षा की शक्ति और वैश्विक बदलाव लाने की क्षमता को दर्शाती है।

आयशा सिंह

बोलीं- लड़कियां कुछ भी हो सकती हैं, पर कमजोर नहीं, खुद पर यह भरोसा होना चाहिए

गुम है किसी के प्यार मेंश् टीवी शो से चर्चा में आईं आयशा सिंह अब श्मन्नतरू हर खुशी पाने कीश् में नजर आ रही हैं। आयशा ने श्नवभारत टाइम्सश् से अपने सशक्त रोल, महिलाओं के लिए मुश्किलों के अलावा जेंडर के हिसाब से बदलती भूमिकाओं के बारे में बात की। श्गुम है किसी के प्यार मेंश् फेम आयशा सिंह अब श्मन्नतरू हर खुशी पाने कीश् में नजर आ रही हैं आयशा ने अपने सशक्त रोल और महिलाओं के लिए मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की आयशा ने कहा कि लड़कियों को खुद को कमजोर नहीं समझें और भरोसा रखना चाहिए टीवी शो श्गुम है किसी के प्यार मेंश् से लोगों के दिलों में घर बनाने वाली एक्ट्रेस आयशा सिंह इन दिनों नए सीरियल श्मन्नतरू हर खुशी पाने कीश् में एक जिम्मेदार बेटी, जुझारू लड़की और महत्वाकांक्षी शेफ की भूमिका में नजर आ रही हैं। इसी सिलसिले में हमने उनसे की एक खास बातचीतरू पहले श्गुम है किसी के प्यार मेंश् और अब श्मन्नतश्, आप हमेशा सशक्त लड़की को पर्दे पर उतारती हैं। आपके लिए सशक्त महिला की परिभाषा क्या है? क्या लड़की होने की वजह से कभी कमतरी का अहसास हुआ है? श्मेरा मानना है कि दूसरे जो भी सोचें, हमें खुद को कमजोर नहीं मानना चाहिए। अगर मैंने मान लिया कि मैं कमजोर हूं तो फिर मैं कमजोर ही हूं। हमें खुद यह माइंडसेट रखना चाहिए कि हम अबला या बेचारी नहीं हैं। हम मजबूत इंडीविजुअल हैं। यह लड़ाई आपके भीतर से शुरू होती है। अगर कोई लड़की किसी दिक्कत से जूझ रही है तो कभी यह नहीं कहना है कि मै तो कमजोर हूं, मैं क्या ही कर सकती हूं! नहीं, मैं बेवकूफ हो सकती हूं, मैं आलसी हो सकती हूं, फ्लाना-ढिकाना हो सकती हूं पर मैं कमजोर नहीं हूं। मेरा मानना है कि हर लड़की को खुद पर यह भरोसा रखना चाहिए। श्ही भेदभाव झेलने की बात, तो मुझे याद है कि एक बार मुझे एक नाटक के लिए गुजरात या कहीं जाना था तो मेरी मां मना कर रही थीं। उनका कहना था कि तुम शादी के बाद जाना, तो मैंने उनसे कहा कि नहीं, मैं जाऊंगी और मैं गईं। वैसे, मेरे पैरेंट्स बहुत प्रोग्रेसिव हैं। मेरे और मेरे भाई के लिए उनकी सोच रही है कि दोनों का अपने पैरों पर खड़ा होना एक बराबर जरूरी है, लेकिन सेफ्टी को लेकर एक बार ऐसा हुआ था। तब मैंने उन्हें बोला कि शादी के बाद मेरी सेफ्टी आपके लिए कम महत्वपूर्ण तो नहीं हो जाएगी।श् अक्षय खन्ना करने वाले थे श्तारे जमीं परश्, एक्टर ने बताया कैसे आमिर खान ने उनसे छीन ली थी फिल्म अपने समाज में घर में खाना पकाने का जिम्मा औरतों का होता है। जबकि, ज्यादातर नामी शेफ मर्द होते हैं। शो में आप एक शेफ के रोल में हैं। आपकी इस बारे में क्या राय है? मेरे हिसाब से ऐसा इसलिए है, क्योंकि पहले लड़कियां घर से बाहर निकलती नहीं थीं। वो घर ही संभालती थी। बाहर खाना बनाने वाले पहले भी महाराज या हलवाई ही होते थे। अब उनका ही नया वर्जन शेफ के रूप में आ गया। चूंकि, पहले जेंडर रोल डिफाइन होता था कि कमाने का काम मर्दों का होता था, इस वजह से ऐसा है। अब चीजें बदल रही हैं। बेशक बराबरी अब भी नहीं आई है, पर सोच बदल रही है। वैसे भी, बदलाव एक दिन में नहीं होता। धीरे-धीरे ही होता है, मगर मैंने खुद यह बदलाव देखा है कि औरतें अब आवाज उठाने लगी हैं। अब दोनों पति-पत्नी कमाते हैं। भले ही अभी ऐसा मेट्रो शहरों में हैं। छोटे शहरों, कस्बों में बदलाव आना अभी बाकी है, पर जैसे-जैसे देश बदलेगा और पूरे देश में जॉब के मौके बढ़ेंगे, ये हालात बदलेंगे। अब चीजें बदल रही हैं। बेशक बराबरी अब भी नहीं आई है, पर सोच बदल रही है। वैसे भी, बदलाव एक दिन में नहीं होता। धीरे-धीरे ही होता है, मगर मैंने खुद यह बदलाव देखा है कि औरतें अब आवाज उठाने लगी हैं। अब दोनों पति-पत्नी कमाते हैं। 44 साल बड़े एक्टर संग विवादित सीन, 25 साल की एक्ट्रेस ने की थी खुदकुशी, सुसाइड नोट में किए थे दर्दनाक खुलासे आपकी खुद कुकिंग में कितनी रुचि है? मैंने लॉकडाउन में पहली बार कुकिंग करना शुरू किया था। मैं यूट्यूब से देखकर कुछ चीजें बना लेती हूं। कुकिंग से मेरा रिश्ता यूं है कि अगर कोई कहे कि मुझे ये चीज खाने का मन है, तू बना देगी क्या, तो मैं बना सकती हूं, मगर मजबूरी में कुकिंग करना नहीं इंजॉय नहीं करती। मुझे कुकिंग में तभी मजा आता है जब कुछ नया या अलग बनाऊं। वो रोज खाना पकाना मैं इंजॉय नहीं करती। वह बहुत थकाऊ हो जाता है। राशा थडानी संग डिनर पर निकलीं तमन्ना, 35 साल की एक्ट्रेस पर भारी पड़ा रवीना की बेटी का अंदाज, फैंस हुए क्रेजी आपका शो एक वर्किंग लड़की की कहानी है, मगर टीवी पर ज्यादातर सास बहू ड्रामा या टिपिकल लव स्टोरी हावी रहती है। इसकी क्या वजह मानती हैं? मुझे लगता है कि हर चीज का एक दौर होता है। जैसे एक समय में टीवी पर देख भाई देख जैसे सिटकॉम का दौर था। फिर, श्सास भी कभी बहूश् वाला दौर आया। उसके बाद श्बालिका वधूश् जैसी मेसेज वाली रियलिस्टिक कहानियां भी आईं, तो ऑडियंस की जो मांग होती है, मेकर्स को उसे पूरा करना होता है। ये ताकत ऑडियंस के हाथ में होती है कि उसे क्या देखना है, बाकी सब सिर्फ उसे पूरा कर रहे होते हैं। जैसे, शेफ के तौर पर भी मैं खाना वही बनाऊंगी जो लोग ऑर्डर देंगे। वरना हम अलग तरह के शो बना भी दे और कोई देखे नहीं तो क्या फायदा होगा। ऐसा नहीं है कि लोग रिस्क नहीं लेते। अच्छे-अच्छे शोज भी आए हैं पर वे चले नहीं। अब वजह मुझे नहीं पता लेकिन मेरे हिसाब से जैसी मांग होगी, वही चीज दी जाएगी।

सुष्मिता सेन ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम लाइव सेशन के जरिए फैंस और फॉलोअर्स के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने शादी पर अपने विचार भी शेयर किए। उन्होंने कहा वह शादी तो करना चाहती हैं, लेकिन कोई सही जीवनसाथी मिलना चाहिए। दरअसल, इंस्टाग्राम पर लाइव सेशन के दौरान सुष्मिता सेन ने बताया कि उन्होंने जयपुर में एक शादी अटेंड की थी। इस पर एक यूजर ने सुष्मिता से उनकी शादी को लेकर ही सवाल पूछ लिया। जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा- श्मैं भी शादी करना चाहती हूं। मिलना चाहिए न कोई शादी करने लायक। ऐसे थोड़ी होती है शादी। कहते हैं न, बहुत रोमांटिक तरीके से तो दिल का रिश्ता होता है।

दिल तक बात तो पहुंचनी चाहिए न। शादी भी कर लेंगे। रोहमन शॉल को डेट कर रही थीं सुष्मिता सुष्मिता सेन ने ढाई साल तक मॉडल रोहमन शॉल को डेट किया था। दोनों के बीच 15 साल का अंतर था। दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में भी रहे थे। रोहमन की सुष्मिता की दोनों बेटियों, रेनी और अलीशा, के साथ भी बेहतरीन बॉन्डिंग है। लेकिन साल 2021 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था। इस बात की जानकारी खुद सुष्मिता ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दी थी। उन्होंने लिखा था- श्हमने दोस्त के रूप में शुरुआत की, हम दोस्त बने रहे!! रिश्ता बहुत पुराना हो गया था...प्यार बाकी है। हालांकि, अब भी दोनों के कई बार साथ में देखा जाता है। ललित मोदी के साथ भी जुड़ा था नाम इसके बाद, 2022 में सुष्मिता का नाम आईपीएल के फाउंडर और पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी के साथ जुड़ा था। मोदी ने दोनों की साथ में कई फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और एक्ट्रेस को अपनी बेटर हाफ के तौर पर इंट्रोड्यूस किया था। हालांकि, कुछ समय बाद ही उनका ब्रेकअप भी हो गया। मोदी ने अपने इंस्टाग्राम बायो और डिस्प्ले पिक्चर्स से सुष्मिता का नाम हटा दिया। सुष्मिता ने 2023 में रिश्ते के बारे में बात की और मिड-डे को दिए एक इंटरव्यू में इसे बस एक फेज बताया था। 1994 में मिस यूनिवर्स, 96 में बॉलीवुड डेब्यू सुष्मिता सेन को 1994 में मिस यूनिवर्स चुना गया था। उन्होंने 1996 में फिल्म दस्तक से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। उन्होंने बीवी नंबर 1, डू नॉट डिस्टर्ब, मैं हूं ना, मैंने प्यार क्यों किया और तुमको ना भूल पाएंगे और नो प्रॉब्लम जैसी फिल्मों में काम किया है। सुष्मिता सेन को आखिरी बार वेब सीरीज आर्या -3 में देखा गया है। सुष्मिता सेन दो बेटियों अलीसा और रेनी की सिंगल मॉम हैं। सेन ने 2000 में रेनी को गोद लिया, जबकि अलीसा 2010 में सुष्मिता के घर आईं।

पाकिस्तान की पॉपुलर एक्ट्रेस हानिया आमिर भारत में भी खूब चर्चा में रहती है. कभी वे बादशाह के साथ अफेयर रूमर्स को लेकर सुर्खियों में आ जाती हैं तो कभी दिलजीत दोसांझ के कंसर्ट में नजर आती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस अपने एक वीडियो को लेकर लाइमलाइम में हैं. दरअसल हानिया ने श्ओम शांति ओमश् की शांति प्रिया का पॉपुलर सीन रिक्रिएट किया है. हालांकि नेटिजन्स को शायद ये रास नहीं आया. हानिया आमिर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है. इसमें वे कार से उतरती हैं और आसपास मौजूद लोग उनके लिए चीयर करने लगते हैं. हानिया इस दौरान राहुल मिश्रा का डिजाइन किया हुआ गोल्डन कलर का शिमरी बॉडीकॉन पहने दिखाई दे रही हैं. इसे उन्होंने मैचिंग नेट दुपट्टे के साथ पेयर किया था. अपने लुक को उन्होंने गोल्डन ईयररिंग्स और खुले बालों के साथ पूरा किया. हानिया ने शांति प्रिया की तरह दिए पोज हानिया वीडियो में श्ओम शांति ओमश् की शांति प्रिया (दीपिका पादुकोण) की तरह सभी को हाथ उठाकर हेलो करते नजर आ रही हैं. वे फ्लाइंग किस करती और मुस्कुराती नजर आती हैं. हानिया का ये वीडियो देख कई फैंस को दीपिका पादुकोण की याद आ गई लेकिन कई लोगों को ये पसंद नहीं आया. कुछ लोगों ने एक्ट्रेस को दीपिका से कंपेयर भी किया. हानिया आमिर ने रिक्रिएट किया श्ओम शांति ओमश् की शांति प्रिया का पॉपुलर सीन, नेटिजन्स बोले- श्खुद को दीपिका समझ रही है श्दीपिका बनने की कोशिश कर रही हैं...श् एक यूजर ने लिखा- श्दीपिका बनने की कोशिश कर रही हैं, नहीं बन पाएंगी.श् दूसरे ने लिखा- यअपने आपको दीपिका समझ रही है.श् तीसरे ने कमेंट किया- श्दीपिका जैसा नहीं लेकिन बहुत अच्छा था.श् इसके अलावा एक यूजर ने लिखा- श्ये गाना सुनते ही बस दीपिका ही नजर आती हैं हर जगह.श् एक यूजर का कहना है- श्दीपिका को फिर भी रिप्लेस नहीं कर सकतीं.श् वहीं लोग हानिया के लिए श्शांति प्रिया फ्रॉम मीशोश् जैसे कमेंट भी कर रहे हैं.

चैंपियंस ट्रॉफी में बतौर ऑलराउंडर चमके अक्षर पटेल, जडेजा से इतर बनाई अपनी छवि

दुबई। एक समय रवींद्र जडेजा जैसी समानता रखने के कारण अक्षर को अधिक मौके नहीं मिले। उन्हें जडेजा की छाया से बाहर आने में संघर्ष करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने अपना रास्ता खुद बनाया और अब वह मंजिलों को छू रहे हैं... मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की हालिया सफलता ने बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को सुर्खियां बनने का मौका नहीं दिया। भारत के चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचने के सफर से लेकर उससे पहले तक अक्षर लगातार बल्ले और गेंद से टीम को उपयोगी योगदान देते आ रहे हैं। चौंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण के मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की जीत के बीच में जब केन विलियम्सन खड़े थे तब अक्षर पटेल ने ही उनका विकेट लेकर फिर साबित किया कि वह भारतीय टीम के नए खेवनहार हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ अक्षर के 10 ओवर के कोटे की यह अंतिम गेंद थी जिसने मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया था। इस पर भी लोगों का अधिक ध्यान नहीं गया, क्योंकि इस मैच में वरुण चक्रवर्ती ने पांच विकेट लेकर सबका ध्यान खींच लिया था। जडेजा की छाया से निकले बाहर एक समय रवींद्र जडेजा जैसी समानता रखने के कारण अक्षर को अधिक मौके नहीं मिले। उन्हें जडेजा की छाया से बाहर आने में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अपने लिए रास्ता बनाने के लिए 2022 से अपनी बल्लेबाजी पर काम किया और टीम प्रबंधन ने जब उन्हें पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा तो वह अपेक्षाओं पर पूरी तरह से खरे उतरे। बल्लेबाजी में ऊपरी क्रम में भी बैठे फिट अनुभवी राहुल की जगह अक्षर को पांचवें नंबर पर उतारने का टीम प्रबंधन का फैसला जोखिम भरा था। अक्षर पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले गए दूसरे वनडे मैच से नियमित रूप से पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में ही 44 रन बनाकर जता दिया था कि वह इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अक्षर ने इसके बाद पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 52, नाबाद 41, 8, नाबाद 3, 42 और 27 रन बनाए हैं। उन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में यह जिम्मेदारी संभाली। इससे भारत को मध्यक्रम में दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाज का संयोजन तैयार करने में भी मदद मिली। राहुल के पहली पसंद का विकेटकीपर होने के कारण भारत के लिए यह संयोजन महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

बड़ा फैसला ले सकते हैं रोहित शर्मा?

दुबई। लंबे समय तक भारतीय टीम को कुशल बल्लेबाज और कप्तान के तौर पर सेवाएं देने वाले रोहित शर्मा का यह सीमित ओवर का आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो सकता है। भारत इस खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। हिटमैन के नेतृत्व में टीम इंडिया अब तक चौपियंस ट्रॉफी में अजेय रही है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच नौ मार्च (रविवार) को चौंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को मात देकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। 25 साल बाद एक बार फिर यह दोनों टीमें आईसीसी के सीमित ओवर प्रारूप के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा इस प्रारूप में अपने भविष्य को लेकर बड़ा फैसला कर सकते हैं। रोहित के पास धोनी के क्लब में शामिल होने का मौका लंबे समय तक भारतीय टीम को कुशल बल्लेबाज और कप्तान के तौर पर सेवाएं देने वाले रोहित शर्मा का यह सीमित ओवर का आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो सकता है। भारत इस खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। हिटमैन के नेतृत्व में टीम इंडिया अब तक चौपियंस ट्रॉफी में अजेय रही है। अगर भारत ट्रॉफी अपने नाम करने में सफल रहता है तो फिर महेंद्र सिंह धोनी के बाद हिटमैन एक से अधिक आईसीसी प्रतियोगिता जीतने वाले दूसरे भारतीय कप्तान बन जाएंगे। अगरकर से चर्चा कर सकते हैं रोहित रोहित की अगुआई में भारत ने पिछले साल वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप जीता था। इसके बाद रोहित और विराट कोहली ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। कयास लगाए जा रहे हैं कि रोहित चौंपियंस ट्रॉफी के बाद इस तरह का फैसला कर सकते हैं और इसमें मैच का परिणाम कोई भूमिका नहीं निभाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार चौंपियंस ट्रॉफी के बाद रोहित वनडे में अपने भविष्य को लेकर चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर के साथ चर्चा कर सकते हैं। फाइनल से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं आए रोहित भारतीय क्रिकेट में देखा गया है कि चयनकर्ता किसी बड़े खिलाड़ी के भविष्य को लेकर फैसला नहीं करते हैं बल्कि खिलाड़ी स्वयं इसको लेकर बोर्ड के शीर्ष पदाधिकारियों से बात करते हैं। अगर भारत चौंपियंस ट्रॉफी जीतता है तो कप्तान रोहित संन्यास की घोषणा कर सकते हैं लेकिन यह बात समझ में आती है कि फाइनल से पहले वह संन्यास से जुड़े सवालों से बचने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं आए। उनकी जगह उपकप्तान शुभमन गिल ने पत्रकारों को संबोधित किया और बताया कि ड्रेसिंग रूम में किसी खिलाड़ी के संन्यास को लेकर कोई चर्चा नहीं चल रही है। रोहित के संन्यास पर क्या बोले गिल? गिल ने कहा, हमने इस बारे में बात नहीं की है। हमारी सारी चर्चा सिर्फ मैच जीतने को लेकर हुई है और हमें बस यह मुकाबला जीतना है। रोहित ने इस बारे में ना सिर्फ मुझसे बल्कि टीम से भी चर्चा नहीं की है। मुझे लगता है कि रोहित भी बस फाइनल जीतने के बारे में सोच रहे हैं। उपकप्तान गिल ने कहा, मुझे लगता है कि रोहित पहले चौंपियंस ट्रॉफी जीतने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मैच खत्म होने के बाद वह इसे लेकर फैसला ले सकते हैं, लेकिन टीम में किसी से भी मैंने इस बारे में कुछ सुना नहीं है। कोहली के वनडे से संन्यास लेने पर संशय पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, इतना तय है कि कोहली और रोहित वनडे से एक साथ संन्यास नहीं लेंगे। टी20 विश्व कप के बाद ऐसा हुआ क्योंकि उस प्रारूप में उनके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हासिल करने के लिए और कुछ नहीं बचा था। अगर अन्य प्रारूप की बात करें तो कोहली की निगाह टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन पूरे करने पर टिकी हैं। उनके समकालीन बल्लेबाज स्टीव स्मिथ, जो रूट और केन विलियमसन पहले ही यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। एक टेस्ट क्रिकेटर के रूप में कोहली का आगे खेलना निश्चित है और इस साल होने वाले इंग्लैंड दौरे में उनकी जरूरत पड़ेगी। लेकिन यही बात रोहित के लिए नहीं कही जा सकती जो ऑस्ट्रेलिया के दौरे के दौरान अच्छी फॉर्म में नहीं होने के कारण सिडनी में खेले गए अंतिम टेस्ट मैच से स्वयं बाहर हो गए थे। दिसंबर से पहले घर में नहीं है कोई वनडे सीरीज क्या रोहित वनडे से संन्यास लेंगे और टेस्ट क्रिकेट में बने रहेंगे, या उन्हें घरेलू धरती पर वनडे मैच खेल कर विदाई लेने का मौका दिया जाएगा, इसका जवाब भविष्य के गर्त में छिपा है लेकिन अगर भारत के भविष्य के दौरान कार्यक्रम (एफटीपी) पर गौर करें तो भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दिसंबर में होने वाली सीरीज से पहले स्वदेश में कोई वनडे मैच नहीं खेलना है। इसका मतलब होगा कि भारतीय कप्तान अगर बांग्लादेश में होने वाली वनडे सीरीज, श्रीलंका में होने वाले एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की सीरीज में नहीं खेलते हैं तो उन्हें नौ मार्च के बाद अगला वनडे खेलने का मौका दिसंबर में ही मिलेगा। अगर रोहित को लगता है कि वह 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में नहीं बने रहेंगे तो क्या चौंपियंस ट्रॉफी के बाद वह इस प्रारूप में खेलना जारी रखेंगे। इस सवाल का जवाब रविवार को काफी हद तक स्पष्ट हो जाएगा।

मुझे डर लग रहा है, न्यूजीलैंड हमारा दिल फिर दुखा सकता है..., फाइनल से पहले अश्विन का बयान

दुबई। अश्विन ने कहा, श्मैं प्रेस कॉन्फ्रेंस में घरेलू फायदा के बारे में हमारे कप्तान, कोचों से पूछे गए सवालों पर बस हंस सकता हूं। हमारे खिलाड़ियों पर कीचड़ उछालने के लिए ऐसा किया जाता है। कृपया इस तरह की बातों में मत आइए।श् भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौंपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला रविवार को दुबई में खेला जाएगा। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि यह एक हाईवोल्टेज मुकाबला होगा। न्यूजीलैंड इससे पहले साल 2000 में भी चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में हमें हरा चुका है। टीम इंडिया इसका बदला लेने उतरेगी। भारत ने अजेय रहते हुए खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया है, जबकि न्यूजीलैंड ने सिर्फ एक मैच गंवाया है और वह भी भारत के खिलाफ। हालांकि, भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि कीवी एक बार फिर भारतीय फैंस का दिल दुखा सकते हैं। अश्विन ने कहा कि वह भारत की जीत की आशा कर रहे हैं, लेकिन उन्हें डर भी लग रहा है। भारत को न्यूजीलैंड के हाथों 2021 विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में भी हार का सामना करना पड़ा था। अश्विन ने आलोचकों को दिया मुंहतोड़ जवाब चौंपियंस ट्रॉफी 2025 भारत का लगातार तीसरा आईसीसी सीमित ओवरों का फाइनल है। इससे पहले टीम इंडिया 2023 वनडे विश्व कप फाइनल और 2024 टी20 विश्व कप फाइनल में भी पहुंची थी। इस पूरे चौंपियंस ट्रॉफी में एक बात जो आम रही है वह है भारत पर लगे आरोप। कई दूसरे देशों के क्रिकेटर्स ने भारतीय टीम पर एक स्थान पर खेलने के फायदे का आरोप लगाया था। उनका कहना है कि परिस्थितियों का बेहतर अंदाजा की वजह से टीम इंडिया जीत रही है। अब इस पर अश्विन ने अपने यूट्यूब चौनल पर आलोचकों पर तंज कसा है और उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया है। अश्विन ने इसे आलोचकों के प्रोपेगेंडा का हिस्सा बताया है। घरेलू फायदा पर अश्विन का आलोचकों पर तंज उन्होंने कहा, श्मैं प्रेस कॉन्फ्रेंस में घरेलू फायदा के बारे में हमारे कप्तान, कोचों से पूछे गए सवालों पर बस हंस सकता हूं। 2009 चौंपियंस ट्रॉफी में दक्षिण अफ्रीका ने अपने सभी मैच एक ही स्थान पर खेले और वे फाइनल के लिए क्वालिफाई भी नहीं कर पाए। यह दक्षिण अफ्रीका की गलती नहीं है कि वे क्वालिफाई नहीं कर सके। इस बात को स्वीकार करना चाहिए कि भारत ने क्लास क्रिकेट खेला है और शानदार प्रदर्शन के कारण ही फाइनल में पहुंचे हैं। इस टूर्नामेंट से पहले पिछली बार भारत दुबई में कोविड के दौरान खेला था। इसके बाद न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका ने दुबई में खेला।श् श्हमारे खिलाड़ियों पर कीचड़ उछालने के लिए...श्उन्होंने कहा, श्एक टीम भारत आती है और 0-4 से हारने के बाद पिच को दोषी करार देती है। हमारे खिलाड़ियों पर कीचड़ उछालने के लिए ऐसा किया जाता है। कृपया इस तरह की बातों में मत आइए। यहां तक कि कुछ भारतीय लोग भी इस विवाद में पड़ रहे हैं। इससे मुझे समस्या है। मैंने अभी भी अपने नब्ज पर काबू पा रखा है। मुझे अच्छा एहसास नहीं हो रहा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड की जीत के बाद मुझे लग रहा है कि वे एक बार फिर हमें नुकसान पहुंचा सकते हैं।श् नासिर हुसैन और एथर्टन का आया था बयान भारतीय टीम पर नासिर हुसैन और माइकल एथर्टन जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि भारत को एक स्थान पर खेलने के शेड्यूलिंग का फायदा मिल रहा है। टीम बिल्कुल भी यात्रा नहीं कर रही है और इससे उन्हें परिस्थितियों को अच्छी तरह से जानने का मौका मिला। इन दिग्गजों ने कहा था कि भारत ने दुबई को ध्यान में रखते हुए अपनी टीम का चयन किया था।भारत को फायदे पर स्टीड का बयान वहीं, फाइनल मुकाबले से पहले न्यूजीलैंड के कोच का भी इस मुद्दे पर बयान आया था। उन्होंने कहा, श्कार्यक्रम तैयार करना हमारे हाथ में नहीं है, इसलिए हमें इसको लेकर बहुत अधिक चिंता करने की जरूरत नहीं है। भारत ने अपने सभी मैच यहां दुबई में खेले, लेकिन हमें भी यहां एक मैच खेलने का मौका मिला और हम उस अनुभव से सीख लेना चाहेंगे। इस मुकाम पर पहुंचना बहुत रोमांचक होता है और हमारा मानना है।

यूपी की प्लेऑफकी उम्मीद खत्म

मुंबई इंडियंस ने अमेलिया केर (पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी और हेली मैथ्यूज (68 रन, दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन से बृहस्पतिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मैच में यूपी वारियर्स को नौ गेंद रहते छह विकेट से पराजित कर उसकी प्लेऑफकी उम्मीद खत्म कर दी।

लखनऊ । पूर्व चौंपियन मुंबई इंडियंस ने अमेलिया केर (पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी और हेली मैथ्यूज (68 रन, दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन से बृहस्पतिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मैच में यूपी वारियर्स को नौ गेंद रहते छह विकेट से पराजित कर उसकी प्लेऑफ की उम्मीद खत्म कर दी। मुंबई इंडियंस ने इस जीत से अपने नेट रन रेट में इजाफा किया और वह आठ अंक लेकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई। वह शीर्ष पर काबिज दिल्ली कैपिटल्स से दो अंक पीछे है और उसका एक मैच भी बचा है। उसके पास शीर्ष पर पहुंचकर फाइनल में सीधे जगह बनाने का मौका है। डब्ल्यूपीएल में शीर्ष टीम सीधे फाइनल में पहुंचती है जबकि दूसरे और तीसरे स्थान की टीम एलिमिनेटर खेलती हैं। यह यूपी वारियर्स की लगातार तीसरी हार थी जिससे वह चार अंक लेकर निचले स्थान पर बरकरार है। मैथ्यूज ने इस सत्र में अपनी दूसरी अर्धशतकीय पारी के लिए 46 गेंद का सामना करते हुए अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के जड़े, उन्होंने गेंदबाजी करते हुए दो विकेट भी अपने नाम किए थे। वह 14वें ओवर में 127 रन के स्कोर पर आउट हुई लेकिन तब तक टीम जीत के करीब पहुंच गई थी। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वॉल (55 रन) के अर्धशतक से शानदार शुरूआत करने वाली यूपी वारियर्स केर (38 रन देकर पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 150 रन ही बना सकी और मुंबई इंडियंस ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 153 रन बनाकर आसान जीत हासिल की। मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने केर की शानदार गेंदबाजी के बाद उन्हें इस सत्र में पहली बार पारी के आगाज के लिए भेजा था लेकिन वह 10 रन बनाकर आउट हो गई और इस मौके का फायदा नहीं उठा सकीं। नैट साइवर ब्रंट (37 रन, 23 गेंद, सात चौके) ने मैथ्यूज का अच्छा साथ निभाया और दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 58 गेंद में 92 की साझेदारी निभाकर जीत की नींव रखी। नैट साइवर ब्रंट नेइस दौरान डब्ल्यूपीएल में 800 रन भी पूरे किए और वह ऐसा करने वाली चौथी बल्लेबाज बनी। इससे पहले यूपी वारियर्स ने जॉर्जिया (33 गेंद,12 चौके) और सलामी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस (28 रन, तीन चौके, एक छक्का) के बीच पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 74 रन की भागीदारी से अच्छी शुरूआत की। पर लगातार अंतराल पर विकेट गंवाने से उसके लिए फिर कोई बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी। अपना दूसरा ही डब्ल्यूपीएल मैच खेल रही जॉर्जिया ने केर पर लगातार तीन चौके जड़ डाले। हेली मैथ्यूज ने हैरिस को आउट करके नियमित अंतराल पर विकेट लेने की शुरूआत की।

मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत पर डब्ल्यूपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के कारण जुर्माना

लखनऊ । मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत पर यहां यूपी वारियर्स के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असंतोष जताने के लिये मैच फीस का दस प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह घटना यूपी की पारी के 19वें ओवर की है जब अंपायर अजितेष अर्गल ने हरमनप्रीत से कहा कि धीमी ओवरगति के कारण आखिरी ओवर में सिर्फ तीन फील्डर सर्कल के बाहर रह सकते है। इससे खफा हरमनप्रीत ने अंपायर से संक्षिप्त बहस की और उनकी साथ एमेलिया केर भी इसमें जुड़ गई। डब्ल्यूपीएल ने एक बयान में कहा ,'' हरमनप्रीत कौर ने धारा 2 . 8 के तहत लेवल एक का अपराध स्वीकार कर लिया है जो मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असंतोष जताने के संदर्भ में है। '' इसमें कहा गया ,'' लेवल एक के अपराध में मैच रैफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है।'' हरमनप्रीत का यूपी वारियर्स की सोफी एक्सेलेटन से भी विवाद हो गया था जब दूसरे छोर पर खड़ी इंग्लैंड की क्रिकेटर कुछ समझाने के लिये अंपायर की तरफ बढी। हरमनप्रीत ने उसे इस बातचीत से अलग रहने का इशारा किया। विवाद बढता देख स्क्वेयर लेग अंपायर एन जनानी और यूपी की कप्तान दीप्ति शर्मा भी आगे आये। मुंबई ने यूपी के नौ विकेट पर 150 रन के जवाब में 18.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया था।

ये धाकड़ गेंदबाज हुआ पूरे टूर्नामेंट से बाहर

करीब दो सप्ताह पहले ही सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने स्क्वॉड में बदलाव कर दिया है। इंग्लैंड के ब्राइडन कार्स चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह हैदराबाद ने वियान मुल्डर को अपनी टीम में शामिल किया है। मुल्डर दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी हैं और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं। वियान मुल्डर को अगला सीजन खेलने के लिए 75 लाख रुपये की सैलरी दी जाएगी। बता दें कि, ब्राइडन कार्स को चौंपियंस ट्रॉफी 2025 टूर्नामेंट के दौरान चोट आई थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके पैर का अंगूठा चोटिल हो गया था, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। इससे पहले उन्हें भारत के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज के समय भी मुश्किल का सामना करते देखा गया था। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भी वो अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में उन्होंने 7 ओवरों में ही 69 रन लुटा दिए थे। वहीं आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद ने ब्राइडन कार्स को 1 करोड़ रुपये की बोली लगाकर खरीदा था। ब्राइडन कार्स का टी20 रिकॉर्ड काफी बढ़िया रहा है। एक गेंदबाजी ऑलराउंडर की भूमिका निभाते हुए उन्होंने अब तक अपने टी20 करियर में 53 विकेट लेने के साथ-साथ 783 रन भी बनाए हैं, जिनमें 2 फिफ्टी शामिल हैं। ऐसे में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए बहुत बड़ा झटका कहा जा सकता है।

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल से पहले न्यूजीलैंड को झटका, मुकाबले से बाहर हो सकता है ये खिलाड़ी

न्यूजीलैंड ने चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में एंट्री कर ली है। अब रविवार, 9 मार्च को उसका सामना भारत से होगा। न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका को हराया, लेकिन मैट हैनरी चोटिल हो गए हैं। उनके भारत के खिलाफ फाइनल में खेलने को लेकर अभी संदेह की स्थिति बनी हुई है। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच लाहौर में बुधवार को सेमीफाइनल खेला गया। जहां 29वें मुकाबले में हेनरी को चोट लगी गई। वे दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी हेनरिक क्लासेन का कैच लेने की कोशिश में लॉन्ग ऑन की तरफ से दौड़े। हेनरी ने कैच तो ले लिया, लेकिन वो चोटिल भी हो गए। उनके दाहिने कंधे में चोट लगी है। हेनरी इस कारण से मैदान से बाहर भी चले गए। मैट हेनरी टीम इंडिया के खिलाफ खेलेंगे या नहीं, इसको लेकर अभी तक आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। मैट हेनरी ने सेमीफाइनल में 7 ओवर फेंके थे। उन्होंने इस दौरान 43 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। हेनरी सेमीफाइनल में मैदान से बाहर जाने के बाद लौटकर भी आए। उन्होंने वापसी के बाद दो ओवर फेंके थे, उनकी मौजूदा स्थिति को लेकर अभी अपडेट नहीं है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मैच में बारिश करेगी काम खराब?

रविवार, 9 मार्च को चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। ये मुकाबला रविवार को दुबई में आयोजित होगा। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई। अगर फाइनल में बारिश हुई तो मैच का मजा किरकिरा हो जाएगा। लेकिन बारिश से प्रभावित होने वाले फाइनल को लेकर आईसीसी ने पहले ही नियम बना रखे हैं। 10 मार्च का दिन रिजर्व डे अगर फाइनल मैच के दौरान बारिश हुई तो ओवरों को घटाकर मैच करवाया जा सकता है। आईसीसी के नियमों के मुताबिक फाइनल मैच में कम से कम 20 ओवरों का खेलना जरूरी है। हर टीम को 20-20 ओवर दिए जाएंगे। बारिश से प्रभावित होने वाले फाइनल में ओवरों की कटौती तय सम के बाद शुरू होता है। अगर ये मुकाबला रविवार, 9 मार्च को बारिश की वजह से नहीं खेला जा सका तब ये रिजर्व डे पर आयोजित होगा। 10 मार्च को फाइनल का रिजर्व डे है।

शेड्यूल पर भड़के डेविड मिलर, दुबई जाने को लेकर पूटा गुस्सा

आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल 9 मार्च को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड ने गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका को हराकर चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है,

इनके सामने पैसे फेंको, ये कुछ भी कर देंगे...

कराची। लतीफ ने जियो न्यूज के शो श्हारना मन हैश् में कहा था, श्पाकिस्तान को दूसरा विश्व कप (2009 में टी20) जीतने में 17 साल लग गए, क्योंकि 90 के दशक के खिलाड़ियों ने पाकिस्तान क्रिकेट को नहीं बख्शा। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 से पाकिस्तान के ग्रुप स्टेज से ही बाहर होने के बाद वहां बवाल मचा हुआ है। पड़ोसी मुल्क में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। कुछ टीम मैनेजमेंट और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर सवाल खड़े रहे हैं, तो कुछ खिलाड़ियों के बीच गुट बनने को दोषी ठहरा रहे हैं। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफने 90 के दशक के दिग्गजों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने नाम लिए बिना वसीम अकरम और वकार यूनिस जैसे महान खिलाड़ियों पर निशाना साधा है। कुछ दिन पहले लतीफ ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से 1992 विश्व कप विजेता टीम को प्रबंधन से दूर रखने का आग्रह किया था। अब उन्होंने फिर से इसको लेकर बयान दिया है। श्90 के दशक के खिलाड़ियों ने नहीं बख्शाश् लतीफ ने जियो न्यूज के शो श्हारना मना हैश् में कहा था, श्पाकिस्तान को दूसरा विश्व कप (2009 में टी20) जीतने में 17 साल लग गए, क्योंकि 90 के दशक के खिलाड़ियों ने पाकिस्तान क्रिकेट को नहीं बख्शा। 90 के दशक के खिलाड़ियों को प्रबंधन से और टीम से भी दूर रखें, तभी टीम जीतने की कोशिश करेगी। वे इतने लंबे समय से पाकिस्तान क्रिकेट की सेवा कर रहे हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि उन्हें अब आराम करना चाहिए।

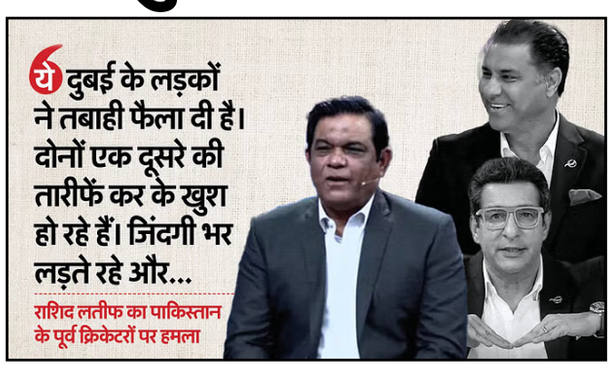

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।